दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। गुरुवार 22 जनवरी -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 34 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की धमकी

साथ न देने वाले देशों पर लगाएंगे टैरिफ!

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने आक्रामक कूटनीतिक रुख से वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। इस बार निशाने पर रणनीतिक रूप से बेहद अहम ग्रीनलैंड है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो देश ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की उनकी योजना का समर्थन नहीं करेंगे, उन पर टैरिफ लगाया जा सकता है। इस बयान के बाद यूरोपीय सहयोगी देशों के साथ तनाव और गहरा गया है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की धमकी : व्हाइट हाउस में एक इवेंट के दौरान ट्रंप ने कहा, 'अगर कुछ देश ग्रीनलैंड के मुद्दे पर साथ नहीं देते, तो मैं उन पर टैरिफ लगा सकता हूं, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने टैरिफ और आर्थिक दबाव को कूटनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की बात कही हो। इससे पहले उनका प्रशासन रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगा चुका है और हाल ही में ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर व्यापक प्रतिबंध लागू किए गए थे। अब ट्रंप ने यही रणनीति ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अपनाने का संकेत दिया है। इस बीच अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वाशिंगटन में आमने-सामने बैठक भी हुई। बैठक में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल थे। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने बैठक के बाद कहा कि दोनों पक्षों के बीच अब भी 'असहमति' बनी हुई है। उन्होंने साफ किया कि डेनमार्क को यह उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका अपना रुख बदलेगा।

अमेरिका-यूरोप में बढ़ा तनाव : हालांकि मतभेदों के बावजूद, तीनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए हैं कि एक हाई-लेवल वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा, जो संभावित समझौते के रास्ते तलाशेगा। रासमुसेन ने कहा कि यह समूह अमेरिका की सुरक्षा चिंताओं को समझते हुए डेनमार्क की ह्लरेड लाइन्सह्व का सम्मान करेगा।

इधर, कूटनीतिक बातचीत के बीच डेनमार्क ने ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का ऐलान किया है। फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और स्वीडन ने भी डेनमार्क के समर्थन में सीमित संख्या में सैनिक भेजने की घोषणा की है। अधिकारियों ने इसे कोपेनहेगन के प्रति एक प्रतीकात्मक लेकिन स्पष्ट समर्थन बताया है।

नोएडा हादसे के बाद गाजियाबाद प्रशासन हरकत में

खुले गड्ढों और जोखिम वाले स्थलों की पहचान के निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर युवराज मेहता की पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिरकर हुई दर्दनाक मौत ने एनसीआर के शहरी विकास, आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के कुछ ही दिनों बाद गाजियाबाद जिला प्रशासन ने संकेत दे दिया है कि अब ऐसे हादसों को केवल ह्लदुर्घटनाह्व मानकर नहीं छोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जनपद में मौजूद सभी दुर्घटना संभावित स्थलों को चिन्हित कर उनके संबंध में त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

नोएडा की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि समस्या केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि गड्ढा किसने खोदा या क्यों खोदा, बल्कि उससे कहीं गंभीर यह तथ्य है कि राजधानी से सटे क्षेत्र में भी एक युवक दो घंटे तक पानी में फंसा रहा, पुलिस और फायर ब्रिगेड की मौजूदगी के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। यही कारण है कि इस हादसे के बाद सरकार ने कड़े कदम उठाते हुए नोएडा अथॉरिटी के सीईओ को हटाया, जेई को बर्खास्त किया, बिल्डर को गिरफ्तार कराया और एडीजी मेरठ, मंडलायुक्त मेरठ तथा लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता की एसआईटी गठित की।

नोएडा की घटना जिसने पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा किया

करंट क्राइम। जानकारी के अनुसार, जिस निर्माणाधीन मॉल के प्लॉट में यह गड्ढा खोदा गया था, वहां लंबे समय से पानी भरा हुआ था। न तो वहां किसी प्रकार की बैरिकेटिंग थी और न ही कोई चेतावनी संकेत। हादसे के बाद युवराज मेहता कार की छत पर चढ़कर लगातार मदद की गुहार लगाता रहा। पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं, लेकिन आवश्यक संसाधन और समन्वय के अभाव में समय रहते उसे बचाया नहीं जा सका। यह घटना अब केवल नोएडा की नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर की प्रशासनिक तैयारी पर सवाल बन गई है। नोएडा हादसे के असर को देखते हुए गाजियाबाद जिला प्रशासन ने आदेश जारी कर सभी विभागों—नगर निगम, विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस और अग्निशमन—को अपने-अपने क्षेत्र में निर्माणाधीन मॉल, बहुमंजिला इमारतों, सड़कों, पुलों, नालों, सीवर, तालाबों और खुले गड्ढों का स्थलीय निरीक्षण कर सूची तैयार करने को कहा है। इन स्थलों पर तत्काल बैरिकेटिंग, चेतावनी संकेत, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निरीक्षण के बाद तैयार की गई रिपोर्ट 25 जनवरी 2026 तक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, निर्माण स्थलों पर अग्निशमन और सुरक्षा मानकों के पालन की भी सख्त समीक्षा की जाएगी।

जवाबदेही और प्रोटोकॉल पर जोर

करंट क्राइम। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि यदि भविष्य में किसी चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थल पर लापरवाही के कारण कोई हादसा होता है, तो उसकी सीधी जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारी की तय की जाएगी। इसके साथ ही आपात स्थितियों से निपटने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय, संसाधनों की त्वरित उपलब्धता और स्पष्ट प्रोटोकॉल लागू करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। प्रशासनिक हलकों में माना जा रहा है कि नोएडा की यह घटना एक चेतावनी है—कि शहरी विकास की रफ्तार के साथ-साथ सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की व्यवस्था को भी उतना ही मजबूत करना होगा। अब सवाल यह है कि ये निर्देश स्थायी व्यवस्था का रूप लेते हैं या किसी बड़े हादसे के बाद की अस्थायी प्रतिक्रिया बनकर रह जाते हैं।

'मैं करता हूं हर शंकराचार्य से लेकर दंडी स्वामी का ह्रदय से सम्मान'

शंकराचार्य की नाराजगी का मुद्दा प्रशासन की नीतियों का विषय

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इन दिनों सरकार से नाराज हैं और धरने पर बैठे हैं। उत्तर प्रदेश में संत की सरकार है और ऐसे में यदि कोई साधू संत शंकराचार्य सरकार से नाराज होकर धरने पर बैठता है तो ये एक बड़ा सवाल है। गाजियाबाद में कैबिनेट मंत्री और साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा से दैनिक करंट क्राइम ने इस विषय को लेकर बात की। सभी जानते हैं कि सुनील शर्मा विशुद्ध आध्यात्मिक और धार्मिक प्रवृति के जननेता हैं। रोजाना घंटो पूजन और हवन उनकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा है। एक ऐसे मंत्री हैं जिन्होंने जापान टूर पर जाने से इंकार किया था और मुख्यमंत्री से अनुरोध कर इस टूर की तिथि इसलिए आगे बढ़वाई थी क्योंकि उस समय सावन माह चल रहा था और कैबिनेट मंत्री सावन माह में रोजाना घंटों तक पूजा प्रार्थना करते हैं, रूद्राभिषेक करते हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से बात की तो उन्होंने कहा कि मैं हर भगवाधारी साधू संत का सम्मान करता हूं। चाहे वो रामानंदाचार्य हों, रामानुजाचार्य हों, दंडी स्वामी हों, सन्यासी हों। मैं सभी के प्रति आस्था और श्रृद्धा रखता हूं। उन्होंने कहा कि आस्था, श्रृद्धा और सम्मान के साथ सभी साधू संतों सन्यासियों का मैं पूरी तरह से सम्मान करता हूं। विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रशासन का विषय है और प्रशासन से जुड़े अधिकारी इसे देख रहे होंगे। उन्होंने इस विषय के सरकार से अलग रखा और कहा कि यह विषय सरकार की किसी नीति का विरोध नहीं है। यह विषय उनकी नाराजगी और प्रशासन की नीति का विषय है। उन्होंने कहा कि साधू संतों का सम्मान भी जरूरी है लेकिन प्रशासन के लिए जनसुरक्षा भी जरूरी है। जनता की सुरक्षा करना भी सरकार का दायित्व है और प्रशासन का दायित्व है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार तो सभी का सम्मान करती है और ऐसे में वो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ किसी विवाद का सवाल ही नहीं है। उनका भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मेरे सामने आयेंगे तो आप यकीन मानिये कि मैं साष्टांग प्रणाम उनको करूंगा। साधू संतों का सम्मान हमारी सनातन संस्कृति की परम्परा है। शंकराचार्या के क्रोध में आकर बयान देने के विषय पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि वो साधू है उन्हें क्रोध आ गया होगा। उन्हें यह अधिकार है कि वो क्रोधित हो सकते हैं लेकिन हम जनता के सेवक हैं और सनातन संस्कृति के लोग हैं। हम ना तो किसी से नाराज हो सकते और ना ही किसी के प्रति द्वेष भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि साधू संतों को मैं सम्मान देता हूं।

मेयर का ये अंदाज बना है सियासी गलियारे में सुर्खियां

कहा, मुझे नहीं अपने विधायक को कीजिए धन्यवाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में सारा झगड़ा ही क्रेडिट का होता है। काम करें और यश ना पायें ऐसा तो हो ही नहीं सकता। आमतौर पर छोटी छोटी उपलब्धियों का श्रेय लेने के लिए भी छोटे छोटे मौहल्लों में उद्घाटन के नारियल और शिलान्यास की माला को लेकर कई बार ऐसी तकरार देखी जाती है। लेकिन मेयर सुनीता दयाल ने क्रेडिट का रूख ही मोड़ दिया और एक ऐसी बात उन्होंने कही कि सभी उनका ये अंदाज भा रहा है। दरअसल विकास की उपलब्धि पर उन्होंने जनता से कहा कि इस बात के लिए विधायक का शुक्रिया अदा कीजिए। दरअसल चिरंजीव विहार में जल भराव की समस्या थी। क्षेत्र की जनता ने उनसे अनुरोध किया था कि इस समस्या का समाधान हो। इसके बाद समस्या का समाधान हुआ और जब मेयर के पास स्थानीय लोग धन्यवाद के लिए गये तो मेयर ने मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि नाले का यह काम मैंने नहीं बल्कि आपके विधायक अजीत पाल त्यागी ने कराया है। जनता का काम करना हम सभी भाजपाईयों का कर्तव्य है। उन्होंने जहां जनता से कहा कि जहां 6 करोड़ की लागत से होने वाला कार्य आपके विधायक अजीत पाल त्यागी की देन हैं। वहीं उन्होंने एक कदम और आगे बढ़कर नई बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में जहां मौहल्ले वालों को बताया कि ये विकास कार्य अजीत पाल त्यागी ने कराया हैं। वहीं उन्होंने विधायक के लिए वोट भी मांगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में अपने विधायक को पूर्ण बहुमत से जितायें तो यही मेरा धन्यवाद होगा। राजनीति में कोई अपने होर्डिंग पर फोटो नहीं लगाता है और कई बार दूसरों क उपलब्धियों का क्रेडिट खुद ले लेते हैं।

लेकिन ऐसे में मेयर सुनीता दयाल ने बड़ा दिल दिखाया है। ये उन लोगों के लिए एक उदाहरण है जो क्रेडिट की लड़ाई में कूदते हैं। यहां पर मेयर ने ना केवल विधायक की प्रशंसा की बल्कि जनता से कहा कि आने वाले चुनाव में अपने विधायक को जिताओ। 6 करोड़ के नालें का निर्माण हुआ और जब जनता मेयर को धन्यवाद करने पहुंची है तो मेयर ने इस उपलब्धि का श्रेय खुद नहीं लिया और विधायक अजीत पाल त्यागी का नाम लिया। लोगों को बताया कि ये काम आपके विधायक अजीत पाल त्यागी करा रहे हैं। मेयर का ये अंदाज सियासत वालों के यहां सुर्खियां बटोर रहा है।

नए साल पर मेयर ने किया था खुद विधायकों को फोन

करंट क्राइम। विकास की सौगात जनता को मिले, ये भावना मेयर सुनीता दयाल के मन में रहती है। बड़ी जनप्रतिनिधि हैं और बड़ा दिल रखती हैं। 6 करोड़ के विकास का क्रेडिट खुद नहीं लिया। विधायक को क्रेडिट दिया और विधायक को जिताने की अपील की। तय भाजपा जय भाजपा वाले अंदाज में मेयर सामने आई हैं। सूत्र बताते हैं कि नए साल के मौके पर मेयर ने सभी विधायकों को फोन किये थे और उनसे पूछा था कि अगर उनके क्षेत्र में कोई समस्या है तो वो बता दें। मेयर ने कहा था कि कोई भी काम हो तो विधायक सीधा उन्हें फोन कर सकते हैं वह कार्य होगा। कोई विकास कार्य होना है तो वो काम बता दें। मेयर के इस अंदाज के बाद पार्षदों ने मेयर से अपनी बात बताई थी और पार्षद ही बता रहे है कि यहां मेयर का अंदाज बेहद खुशनुमा रहा। उन्होंने तत्काल ही प्रस्तावों को पास किया। मेयर अपने वादे पर खरी उतरी हैं और वार्डों में काम भी हो रहा है। बड़ी बात ये है कि मेयर खुद क्रेडिट नहीं ले रही हैं।

नोएडा हादसा सवाल छोड़ गया : क्या हमारी प्रशासनिक तैयारी जान बचाने में सक्षम है? : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नोएडा में चार दिन पहले कार सवार युवा इंजीनियर युवराज मेहता की मौत पानी से भरे गड्ढे में कार समेत गिरने से हुई मौत की जांच एसआईटी ने प्रारंभ कर दी है। एसआईटी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मेरठ परिक्षेत्र, मंडलायुक्त मेरठ और मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग हैं। कल एसआईटी ने नोएडा अथॉरिटी के कार्यालय पहुंचकर बयान लिए और घटना स्थल का निरीक्षण किया। कल ही पुलिस ने उस बिल्डर को गिरफ्तार किया जिनके प्लाट में गड्ढा खोदा गया था।

सरकार ने घटना को पूरी गंभीरता से लिया इसलिए नोएडा अथॉरिटी के सीईओ को हटा दिया और जेई को बर्खास्त कर दिया। साथ ही इतने उच्च अधिकारियों की एसआईटी गठित की है। बात केवल इतनी तक सीमित नहीं है कि गड्ढा क्यों खोदा, किसने खोदा, इतने दिन तक इतने गहरे गड्ढे को जिसमें लंबे समय से पानी भरा था क्यों इसका संज्ञान नहीं लिया गया? क्यों उस जगह बैरिकेटिंग नहीं की गई? बात उससे गंभीर ये है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मात्र 15 कि.मी. दूर दो घंटे तक एक इंजीनियर कार की छत पर अपने को बचाने के लिए गुहार लगाता रहा। वहां पुलिस भी पहुंची, फायर ब्रिगेड भी पहुंची लेकिन उस व्यक्ति को तालाब नुमा गड्ढे से नहीं बचाया जा सका।

हादसा केवल लापरवाही नहीं, व्यवस्था की विफलता है

गड्ढा खोदने, बैरिकेटिंग न करने और निरीक्षण न होने की जिम्मेदारी तय करना जरूरी है, लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि एक जान बचाने की व्यवस्था क्यों नाकाम रही।

दो घंटे तक मदद की गुहार के बावजूद संसाधन न जुटा पाना चिंताजनक

दिल्ली से महज 15 किलोमीटर दूर, पुलिस और फायर ब्रिगेड की मौजूदगी में भी युवक को बचाया नहीं जा सका—यह साधनों और समन्वय की गंभीर कमी दशार्ता है।

आपात स्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों का कॉर्डिनेशन गायब दिखा

यह स्पष्ट होना चाहिए कि क्या प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों को समय पर सूचना दी गई थी, और यदि दी गई थी तो संसाधन जुटाने के लिए उन्होंने क्या प्रयास किए।

दूरदराज क्षेत्रों में बचाव संभव, राजधानी क्षेत्र में क्यों नहीं?

जब देश के सुदूर इलाकों में बोरवेल में गिरे बच्चों को बचाने के लिए सेना तक बुला ली जाती है, तो नोएडा जैसे शहर में यह असंभव कैसे हो गया?

भविष्य के लिए जिला स्तर पर स्पष्ट आपदा प्रोटोकॉल जरूरी

जनपद मुख्यालयों पर ऐसे संसाधन और स्पष्ट प्रोटोकॉल होने चाहिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में अधिकारी मौके पर रहकर त्वरित और प्रभावी निर्णय ले सकें।

क्या सच में हम साधनों में इतने असहाय हैं कि हमारे पास एक वोट भी नहीं है जो ठंडे पानी में उस असहाय व्यक्ति तक पहुंच पाते। या हम और हमारा प्रशासन इतना संवेदनशील नहीं है जो एक व्यक्ति की जान बचाने के लिए कुछ भी कर गुजरता। क्या सच में देश की राजधानी में भी ऐसे साधन उपलब्ध नहीं हैं? या कोई ऐसा अधिकारी नहीं था जो सारी आपात स्थिति में कॉर्डिनेट करके ऐसे साधन मंगा सकता था? हम देखते हैं कि कई बार दूरदराज के क्षेत्रों में भी बोर वेल में गिरे बच्चों को बचाने के लिए सेना के जवानों समेत सारे साधन जुटा लिए जाते हैं। घटना स्थल पर कलेक्टर और एसएसपी समेत समस्त अधिकारी पहुंचते हैं। संभवतः इतने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति के कारण ही सभी साधनों को जुटाना संभव होता है। यहां तो दिल्ली के एक मोहल्ले जैसा नोएडा में एक युवा इंजीनियर दो घंटे तक चिल्लाने और मदद मांगने के बाद भी जल में समा जाता है। वहां पुलिस भी है और फायर ब्रिगेड भी है लेकिन साधनों के अभाव में उस तक पहुंचना संभव नहीं हो सका।

एसआईटी में वरिष्ठ अधिकारी हैं। वे सारे पहलुओं की जांच करेंगे। लेकिन इस पहलू से भी जांच होनी चाहिए कि क्या प्रशासन के सर्वोच्च अधिकारियों को सूचित ही नहीं किया गया? अगर सूचना मिली तो वरिष्ठ अधिकारियो ने कॉर्डिनेशन के लिए क्या किया? क्या कालिंदी कुंज से वोट नहीं आ सकती थी? क्या सेना की मदद नहीं ली जा सकती थी? या दूरदर्शिता के अभाव में सब कुछ देखते देखते समाप्त हो गया?

क्या जनपद मुख्यालय पर ऐसे संसाधन उपलब्ध नहीं होने चाहिए जो ऐसी आपात स्थिति से निपटा जा सके? क्या आइंदा के लिए ऐसी किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए संसाधन जनपद स्तर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी? क्या ऐसी स्थिति से निपटने के लिए शासन स्तर से कोई प्रोटोकॉल जारी करके आधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी? ताकि वे स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर मार्गदर्शन कर सकें।

दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

अवैध निर्माण पर निगरानी को लेकर हाईकोर्ट पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान सोमवार को कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि सिर्फ योजनाएं बनाने से काम नहीं चलेगा, यह भी बताना होगा कि उन्हें लागू करने के लिए पैसा कहां से आएगा और जिम्मेदारी किसकी होगी।

सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से अवैध निर्माण को लेकर आवेदन दाखिल किया गया, जिस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि अवैध निर्माण की निगरानी सुप्रीम कोर्ट क्यों करे। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि अवैध निर्माण की निगरानी हाईकोर्ट क्यों नहीं कर रहा? हर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को मॉनिटर करने की जरूरत क्यों पड़ रही है?

कोर्ट का सख्त सवाल- पैसा कहां से आएगा?

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सीधा सवाल किया कि आपने जो योजनाएं बताई हैं, उनके लिए फंड कहां से आएगा? क्या आपके पास खुद पैसा है या आप दूसरी एजेंसियों से फंड मांगेंगे? इस पर एएसजी ने जवाब दिया कि फंड उपलब्ध हैं और उन्हें ग्राउंड पर काम की जरूरत के हिसाब से आवंटित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण के स्रोतों की पहचान के लिए डिटेल्ड स्टडी की जाएगी।

कोर्ट ने एमिकस क्यूरी से कहा कि वे सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे की जांच करें और देखें कि और क्या ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। एएसजी ने कोर्ट से यह भी कहा कि सरकार कुछ पहलुओं पर स्पष्ट दिशा-निर्देश चाहती है क्योंकि कई प्रस्ताव ऐसे हैं जो लंबे समय में लागू किए जाने वाले उपायों से जुड़े हैं।

एएसजी ने कहा कि ये मामला अवैध निर्माण नहीं, प्रदूषण से जुड़ा है

इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि अवैध निर्माण का मुद्दा अलग है और फिलहाल कोर्ट के सामने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का मामला है। एएसजी ने कहा कि कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की ओर से एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल की गई है, जिसमें प्रदूषण को लेकर लॉन्ग टर्म उपायों का जिक्र किया गया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट के निर्देश के बाद प्रदूषण के स्रोत को लेकर विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का संकेत

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह संकेत भी दिया कि वह विशेषज्ञों की राय के आधार पर आगे की दिशा तय करेगा, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि जवाबदेही और संसाधनों की स्पष्ट योजना के बिना प्रदूषण से निपटने की रणनीति अधूरी रहेगी। मामले में आगे की सुनवाई के दौरान कोर्ट सरकार और सीएक्यूएम से यह जानना चाहेगा कि योजनाएं जमीन पर कब और कैसे उतरेंगी, न कि सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगी।

सुखना झील को और कितना सुखाओगे?

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, बिल्डर माफिया और अफसरों की मिलीभगत पर चिंता

नई दिल्ली। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध सुखना झील के सूखने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ी नाराजगी जताई। मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्या कांत ने कहा कि और कितना सुखाओगे सुखना झील को? उन्होंने झील को हो रहे नुकसान के लिए बिल्डर माफिया, अफसरों और राजनीतिक संरक्षण की मिलीभगत को जिम्मेदार बताया। यह टिप्पणी सीजेआई सूर्या कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। पीठ 1995 की एक पुरानी जनहित याचिका ह्यटीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाड बनाम भारत संघह्ल में दायर अंतरिम आवेदनों पर सुनवाई कर रही थी। मामले में सुनवाई के दौरान जब एक वकील ने सुखना झील से जुड़ा मामला उठाया, तो सीजेआई ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि पंजाब में बिल्डर माफिया खुलेआम सक्रिय हैं और अफसरों की मिलीभगत से झील को पूरी तरह बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब राजनीतिक संरक्षण में हो रहा है।

इसके बाद कोर्ट ने यह सवाल भी उठाया कि जंगलों और झीलों से जुड़े सारे मामले सीधे सुप्रीम कोर्ट में क्यों लाए जा रहे हैं, जबकि इन्हें हाईकोर्ट में निपटाया जा सकता है। सीजेआई ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे कुछ निजी बिल्डरों के इशारे पर 'फ्रेंडली मैच' खेला जा रहा हो और पुराने मामले में अंतरिम अर्जियों के जरिए नए विवाद जोड़े जा रहे हों।

पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और वन मामलों में कोर्ट की सहायता कर रहे वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर (एमिकस क्यूरी) से कहा कि वे कोर्ट को बताएं कि कौन-कौन से स्थानीय मुद्दे हैं जिन्हें संबंधित हाईकोर्ट खुद निपटा सकते हैं। इस दौरान कोर्ट ने साफ संकेत दिए हैं कि झीलों और जंगलों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है, चाहे वे कितने ही प्रभावशाली क्यों न हों।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों का कत्लेआम जारी

500 डॉग्स को मारने के कुछ दिनों बाद अब 100 को दिया गया जहर

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के याचारम गांव में 100 से ज्यादा आवारा कुत्तों को हर देकर मारने का मामला सामने आया है। ये गांव हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर है। इस घटना के सामने आने के बाद पशु कल्याण कार्यकताओं में भारी आक्रोश है। खासकर इसलिए क्योंकि कुछ ही दिन पहले तेलंगाना के तीन जिलों में 500 से अधिक आवारा कुत्तों की हत्या की खबरें सामने आई थीं। पशु कल्याण संगठनों का आरोप है कि याचरम में भी कुत्तों की हत्या पेशेवर तरीके से की गई। इसके पीछे गांव के सरपंच और उसके सहयोगियों की भूमिका हो सकती है। हालांकि अब तक मारे गए कुत्तों के शव बरामद नहीं हो सके हैं। आशंका जताई जा रही है कि शवों को गांव के बाहर कहीं दफना दिया गया है ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की प्रतिनिधि मुदावथ प्रीति की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिनमें गांव का सरपंच भी शामिल है। इसके अलावा एक वार्ड सदस्य और गांव के सचिव को भी आरोपी बनाया गया है। शिकायत के अनुसार, यह कथित हत्याएं 19 जनवरी को की गई थीं। प्रीति का कहना है कि कई दिनों से गांव में आवारा कुत्ते अचानक गायब हो रहे थे, जिसके बाद शक और गहरा गया। जब इस बारे में गांव के प्रतिनिधियों से सवाल किए गए तो उनके बयानों में विरोधाभास सामने आया।

शिकायत में क्या

प्रीति ने अपनी शिकायत में बताया कि पशु कल्याण कार्यकर्ता दीपिका पिंगाली से फोन पर बातचीत के दौरान एक वार्ड सदस्य ने दावा किया था कि कुत्तों को कहीं और स्थानांतरित कर दिया गया है। हालांकि बाद में जब उसी वार्ड सदस्य से एक अन्य कार्यकर्ता अदुलापुरम गौतम ने बात की तो उसने कहा कि कुत्तों को एनेस्थीसिया के इंजेक्शन दिए गए थे। इसके बाद गांव के लोगों से पूछताछ करने पर यह सामने आया कि कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन दिए गए थे, जिससे उनकी मौत हो गई। याचरम थाना प्रभारी ए. नंदेश्वर रेड्डी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कुत्तों के शव कहां दफनाए गए हैं। सभी आरोपों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महंत नृत्यगोपाल दास की तबीयत अचानक बिगड़ी, मेदांता हॉस्पिटल किए गए रेफर

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या से बड़ी खबर सामने आ रही है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिराम छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत अचानक फिर बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अयोध्या के सरकारी श्रीराम अस्पताल के सेवानिवृत डॉक्टर एसके पाठक के पास ले जाया गया। उन्होंने उनके स्वास्थ्य की जांच की। दरअसल, महंत नृत्य गोपाल दास ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। उल्टी-दस्त के कारण लगातार हालत बिगड़ने पर लखनऊ मेदांता के लिए रेफर किया गया है।

मणिराम छावनी मठ के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, महंत नृत्य गोपाल दास को लेकर मेदांता के लिए रवाना हो गए। पिछले साल भी उनकी हालत गंभीर होने गई थी। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में इलाज के बाद वे ठीक हो कर वापस आए थे। इसके बाद से उनका स्वास्थ्य स्थिर बना हुआ था। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उनके अनुयायियों में चिंता की लहर दौड़ गई है।

महंत नृत्य गोपाल दास श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वे कृष्णभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। महंत नृत्य गोपाल दास मथुरा के रहने वाले हैं। उनका जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। उन्होंने मथुरा से ही अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सांसारिक जीवन को त्याग कर धर्म और आध्यात्म के मार्ग पर कदम बढ़ाया। वे अयोध्या आ गए। इसके बाद वे अयोध्या के ही होकर रह गए। राम मंदिर आंदोलन में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई। राम मंदिर निर्माण में भी वे सक्रिय रहे।

तबीयत बिगड़ने के बाद हुआ इलाज

महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत में खराबी की सूचना के बाद श्री राम अस्पताल, अयोध्या की टीम उनके आवास पर पहुंची थी। अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी यशपाल सिंह ने कहा कि अस्पताल की टीम ने उनके आवास पर पहुंच कर प्राथमिक उपचार किया। हालत में सुधार न होती देख डॉक्टरों ने उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। इसके बाद महंत दास को लेकर टीम लखनऊ रवाना हुई है। मेदांता अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज होगा।

ईडी : पश्चिम बंगाल में 25000 सहायक शिक्षकों का भर्ती घोटाला

रिश्वत लेकर जारी किए गए थे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में 25000 सहायक शिक्षकों के भर्ती घोटाले में रिश्वत लेकर नियुक्ति पत्र जारी किए गए। भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने की तय समय सीमा के बाद भी नियुक्ति पत्र देने का काम चलता रहा। ईडी ने इस मामले में अभी तक आरोपियों की 698 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। सर्वोच्च न्यायालय ने गत वर्ष तीन अप्रैल को एसएलपी (सिविल) संख्या 9586/2024 में पश्चिम बंगाल राज्य बनाम बैशाखी भट्टाचार्य (चटर्जी) और अन्य के मामले में अपने फैसले के माध्यम से 25000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया को दूषित और दागदार बताया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले (कक्षा 9 से 12) के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 57.78 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्तियां विधायक जीवन कृष्ण साहा, प्रसन्ना कुमार रॉय और अन्य की हैं। इन संपत्तियों में उत्तर 24 परगना जिले के राजारहाट, न्यू टाउन, पाथरघाटा, गरगरी और अन्य आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ मुर्शिदाबाद और पूर्वी बर्धमान जिलों में स्थित कई आवासीय अपार्टमेंट, विला और भूमि के टुकड़े शामिल हैं। जब्त की गई संपत्तियों में कोलकाता के एचआईडीको द्वारा विकसित क्षेत्र भी शामिल हैं। ये संपत्तियां कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों की अवैध नियुक्तियों से प्राप्त अपराध की आय से अधिग्रहित की गई हैं।

कोलकाता उच्च न्यायालय, के निर्देश पर सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर ईडी ने इस मामले की जांच शुरू की थी। यह जांच, पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग द्वारा संचालित भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हुई हेराफेरी से संबंधित है, जिसमें ओएमआर शीट और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों में हेरफेर किया गया था। अयोग्य उम्मीदवारों को अवैध रिश्वत के बदले में नियुक्तियां करने के लिए पैनल की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी नियुक्तियां की गईं। ईडी की जांच में पता चला कि प्रसन्ना कुमार रॉय इस घोटाले में मुख्य बिचौलिए के रूप में शामिल थे। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अयोग्य उम्मीदवारों से अवैध नियुक्तियां दिलाने के लिए भारी मात्रा में नकदी एकत्र की। करोड़ों रुपये की अपराध से प्राप्त धनराशि को कंपनियों, एलएलपी और बैंक खातों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग किया गया। अंततः अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में इसका उपयोग किया गया।

ईडी की जांच में पता चला है कि सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले में मुख्य आरोपी टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा, अयोग्य उम्मीदवारों से ग्रुप सी, डी और सहायक शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति दिलाने के लिए प्राप्त अपराध की धनराशि को इकट्ठा करने और उसके लेन-देन में सक्रिय रूप से शामिल थे। मुर्शिदाबाद स्थित उनके घर पर तलाशी के दौरान भागने की कोशिश करने पर ईडी ने 25 अगस्त 2025 को जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। जांच में यह स्थापित हुआ कि इस प्रकार एकत्रित अपराध की धनराशि का उपयोग जीवन कृष्ण साहा और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया गया था। ये संपत्तियां, मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और पूर्वी बर्धमान जिलों में स्थित हैं।

कर्नाटक विधानसभा सत्र से पहले बड़ा घटनाक्रम

राज्यपाल ने संयुक्त सत्र को संबोधित करने से किया इनकार

बंगलूरू। केरल और तमिलनाडु के बाद अब कर्नाटक में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि मंगलवार को विधानसभा में अपना उद्घाटन भाषण देने से पहले ही बाहर चले गए थे। उन्होंने राष्ट्रगान के प्रति अनादर की भावना व्यक्त करते हुए निराशा जताई थी। वहीं केरल में मंगलवार को तब विवाद उत्पन्न हो गया जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन समाप्त करने के तुरंत बाद आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा।

कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 से 31 जनवरी तक प्रस्तावित है और इसकी शुरूआत परंपरागत रूप से राज्यपाल के संबोधन से होती है। लेकिन राज्यपाल द्वारा संबोधन से इनकार के बाद स्थिति असमंजस भरी हो गई है। राज्य सरकार की ओर से कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात करने वाला है। फिलहाल राज्यपाल के इनकार के स्पष्ट कारण सामने नहीं आए हैं, लेकिन सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक तय मानी जा रही है।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को खत्म करने का आरोप लगा रही है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर विधानसभा में प्रस्ताव लाने की तैयारी में है और नए ह्यविकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्ल कानून को स्वीकार न करने का फैसला कर चुकी है। कांग्रेस का कहना है कि यह कदम गरीबों और ग्रामीण रोजगार के खिलाफ है। इसी पृष्ठभूमि में संयुक्त सत्र को लेकर टकराव और गहराने की आशंका है।

केरल में नीतिगत भाषण पर विवाद

केरल में भी राज्यपाल और सरकार के बीच हाल ही में तीखा विवाद सामने आया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण के कई अहम अंश नहीं पढ़े। इन अंशों में केंद्र की राजकोषीय नीति की आलोचना और लंबित विधेयकों का जिक्र था। राजभवन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाषण में तथ्यात्मक त्रुटियां थीं, जिन्हें हटाने का अनुरोध किया गया था। इस विवाद ने केरल की राजनीति में नया तनाव पैदा कर दिया है।

तमिलनाडु में भी विधानसभा सत्र के उद्घाटन दिन विवाद हुआ। राज्यपाल आर.एन. रवि उद्घाटन भाषण दिए बिना ही सदन से बाहर चले गए। उन्होंने राष्ट्रगान के कथित अपमान और माइक्रोफोन बंद किए जाने का आरोप लगाया।

बंगाल में एसआईआर के डर से बुजुर्ग ने दी जान, चुनाव आयोग पर उकसाने का आरोप, एफआईआर दर्ज

ढाका। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में एक बुजुर्ग की मौत के मामले में चुनाव आयोग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। 82 वर्षीय बुजुर्ग ने कथित रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के चलते आत्महत्या कर ली। बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके बेटे की शिकायत पर 23 दिन बाद यह मामला दर्ज हुआ है। इस घटना ने राज्य में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिकारी ने बताया कि पुरुलिया जिले के पारा पुलिस स्टेशन में चुनाव आयोग के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। केस में चुनाव आयोग के अधिकारियों पर उकसाने और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। हालांकि, प्राथमिकी में किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया गया। मृतक दुर्जन माझी पारा ब्लॉक के चौताला गांव के एक आदिवासी थे। उन्हें मतदाता सूची पुनरीक्षण की सुनवाई के लिए ब्लॉक कार्यालय में पेश होना था, लेकिन कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। माझी के परिवार ने आरोप लगाया कि उन्होंने मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की चिंता से अपनी जान दी।

लोगों में डर फैला रही है एसआईआर प्रक्रिया : टीएमसी

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया से लोगों में डर पैदा किया जा रहा है। बीजेपी और चुनाव आयोग ने अब तक इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, एक दूसरी घटना में पुरुलिया जिले के मनबाजार में 32 साल के आदिवासी युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उनके परिवार का दावा है कि उन्हें एसआईआर सुनवाई का नोटिस मिला था।

जम्मू-कश्मीर में छिपे पाकिस्तान के 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में पड़ोसी मुल्क 'पाकिस्तान' के लगभग 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द छिपे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर आतंकियों की ट्रेनिंग 'अफगानिस्तान' फ्रंट पर हुई है। कश्मीर घाटी में इनके अलावा दर्जनभर लोकल आतंकी भी सक्रिय बताए गए हैं। 'ए' ग्रेड पाकिस्तानी दहशतगर्दों को 'ओवर ग्राउंड वर्कर' से भरपूर मदद मिल रही है। इनके नेटवर्क को तोड़ना सुरक्षा बलों के लिए किसी बड़ी 'चुनौती' से कम नहीं है। जेकेपी, सेना और बीएसएफ व सीआरपीएफ द्वारा 'ओवर ग्राउंड वर्कर' तक पहुंचने के लिए लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। श्रीनगर व दूसरे इलाकों में संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' और 'लश्कर-ए-तैयबा' एवं इनके मुखौटे संगठनों से जुड़े 'ओजीडब्लू' की संख्या दो सौ से ज्यादा बताई जा रही है। ये लोग, आतंकियों को राशन, गैस सिलेंडर और टैंट सप्लाई के अलावा सेना व दूसरे केंद्रीय बलों की मूवमेंट का अलर्ट भी देते हैं।

'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' से मिल रही भरपूर मदद

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे दहशतगर्दों के खात्मे के लिए सुरक्षा बलों द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। छातरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में मुठभेड़ के दौरान सेना का एक शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल बताए गए हैं। सुरक्षा बलों ने उस ठिकाने को ढूंढ लिया, जहां पर आतंकी छिपे थे। हालांकि, सभी आतंकी घने जंगल में भाग गए। यह ठिकाना 12 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर तैयार किया गया था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य बताते हैं कि चावल, अंडे, घी व सिलेंडर, आतंकियों के ठिकाने पर मिला ये सामान कहां से आया होगा। जाहिर सी बात है कि ये सामान, पाकिस्तान से तो नहीं आया। इस सामान को किसी ने आतंकियों के ठिकाने तक पहुंचाया भी होगा। मतलब साफ है कि आतंकियों को 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' से भरपूर मदद मिल रही है। सुरक्षा बल, ऐसे ओवर ग्राउंड वर्कर्स की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओजीडब्लू में सरकारी महकमों के कर्मचारी भी

जम्मू-कश्मीर से जुड़े रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन अनिल गौर (रिटायर्ड) का कहना है कि अभी तक राज्य में पाकिस्तान से आए अनेक आतंकी छिपे हुए हैं। इन आतंकियों का ठिकाना, पहाड़ियों पर बनी गुफाएं हैं। दहशतगर्दों को अपनी जरुरत का सारा सामान आसानी से मिल जाता है। ओजीडब्लू में सरकारी महकमों के कर्मचारी भी शामिल रहे हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा अतीत में ऐसे ही आरोपों के चलते दर्जनों कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है।

नेपाल/बांग्लादेश बॉर्डर से भी आतंकियों की एंट्री

आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले दिनों बताया था कि जम्मू-कश्मीर में 2025 के दौरान 31 टेररिस्ट मारे गए थे। इनमें 65 फीसदी पाकिस्तानी थे। मौजूदा समय में पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी के दूसरी तरफ करीब आठ आतंकी कैंप एक्टिव हैं। दो आतंकी कैंप आईबी के पास हैं, जबकि छह एलओसी के निकट स्थित हैं। जम्मू कश्मीर में 2014 के दौरान 104 आतंकवादी मारे गए थे। 2015 में 97, 2016 में 140, 2017 में 210, 2018 में 257, 2019 में 157, 2020 में 221, 2021 में 180, 2022 में 187, 2023 में 76 और 2024 में 75 आतंकियों का खात्मा हुआ था। अब जेएंडके में ज्यादातर पाकिस्तानी आतंकवादी मौजूद हैं। लोकल दहशतगर्दों की संख्या अब लगातार कम होती जा रही है। मौजूदा समय में लोकल आतंकियों की संख्या लगभग दस बताई गई है। नेपाल या बांग्लादेश बॉर्डर के रास्ते भी आतंकियों की एंट्री संभव है। पाकिस्तान के लांच पैड पर करीब 120 आतंकियों की मौजूदगी बताई जा रही है।

'अफगानिस्तान' फ्रंट पर हुई दहशतगर्दों की ट्रेनिंग

जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सर्दियां में सीमा पार के आतंकवादी, बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ न कर पाएं, इसके लिए हमारे सुरक्षा बल हर तरह से तैयार रहें। 'बीएसएफ' द्वारा बॉर्डर पर सर्विलांस के लिए तकनीकी उपकरणों की मदद ली जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी मूल के अधिकांश दहशतगर्दों की ट्रेनिंग 'अफगानिस्तान' फ्रंट पर हुई है। इन आतंकियों तक पहुंचना, सुरक्षा बलों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। ये आतंकी 'ए' ग्रेड वाली श्रेणी में आते हैं। इनके रहते जेएंडके में आतंकी हमले की आशंका, सदैव बनी रहती है। इन आतंकियों को लोकल स्पोर्ट मिल रही है। बीएसएफ के आईजी अशोक कुमार के अनुसार, सीमा पार के लांचिंग पैड पर घुसपैठ के लिए तैयार बैठे आतंकी, बॉर्डर पार करने की कोशिश नहीं करते, ऐसा नहीं है। वे प्रयास तो करते हैं, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिलती।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। गुरुवार 22 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सबसे बड़ी विधानसभा में खुशबू दे रहा है हवा का झोंका
कैबिनेट मंत्री खिलायेंगे क्षेत्र की जनता को लिट्टी-चोखा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा वैसे तो हेल्थ के लिए काफी कान्शियस हैं और आजकल उन्होंने खानपान पर कंट्रोल किया हुआ है। वो बहुत ही शानदार मेजबान है वो मेहमानों की खिदमत करते हैं और अब सबसे बड़ी विधानसभा में हवा में खुशबू का झोंका है। दावत की तैयारी है और ये झोंका बता रहा है कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा क्षेत्र की जनता के लिए इस बार लिट्टी चोखा की दावत लेकर आये हैं। दरअसल कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा हर वर्ष ये दावत करते हैं और रोचक पहलू ये है कि उनकी दावत के केन्द्र बिन्दु में पूर्वांचल और उत्तरांचल समाज रहता है। वो उन्हें विशेष रूप से दावत देते हैं।

यहां पर भोजन और संस्कृति का अनूठा समागम देखने को मिलता है। इस बार वो जो दावत कर रहे हैं उसमें पूर्वांचल समाज की सबसे महत्वपूर्ण डिश लिट्टी चौखा है। इसकी पूरी तैयारी हो रही है।

ये सियासत नहीं बल्कि विरासत और संस्कृति की है दावत

करंट क्राइम। दावत को लेकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से करंट क्राइम ने बात की। उनसे पूछा कि क्या पूर्वांचल और उत्तरांचल समाज को दावत देना राजनीति का अंग है। कैबिनेट मंत्री

सुनील शर्मा ने इस स्थिति से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात ये है कि मैं कोई दावत नहीं देता हूं और हमारे यहां हर वर्ष ये आयोजन होता है। यह केवल प्रवासी जनता के लिए कार्यक्रम है कि इससे उनमें अपनेपन का संचार होता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी ये दावत दी गई थी और उससे पिछले साल भी यह आयोजन हुआ था। हम हर वर्ष ये आयोजन करते हैं। पूर्वांचल समाज के लिए इस बार लिट्टी चोखा की दावत है। यह आपसी प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड समाज के लिए भी ऐसी ही व्यवस्था रहती हैऔर उनके लिए विशेष रूप से उत्तराखंडी भोजन तैयार होता है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि पूरे वर्ष में मैं केवल चार कार्यक्रम कराता हूं। उन्होंने स्पष्ट किया मैं अपने बर्थडे का कोई जश्न नहीं मनाता। उन्होंने कहा कि जो कार्यक्रम आयोजित होते हैं उनमें कार्तिक मास में हमारे कार्यालय पर भंडारे का आयोजन होता है। इसमें सभी कार्यकर्ता आमंत्रित होते हैं। इसी तरह होली पर्व पर मैं सर्व समाज का सम्मेलन करता हूं। सभी लोग आनंद के साथ आते हैं। मैं पूर्वांचल समाज के लिए लिट्टी चोखें की दावत रखता हूं। एक अपनापन का भाव है जो प्रवासी लोगों के साथ महसूस करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि जन्मदिन पर मैं विशेष नहीं करता लेकिन सरकारी स्कूल के बच्चों के बीच जाकर जरूर उन्हें उपहार वितरित करता हूं और स्कूल के सुधार के लिए कुछ करता हूं।

भोजपुरी भाषा में कैबिनेट मंत्री ने भिजवाया है निमंत्रण

करंट क्राइम। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का ये एक राजनीति अंदाज है। वो यहां भोजपुरी समाज से जुड़कर चलते हैं पूर्वांचल समाज से जुड़कर चलते हैं। लिट्टी चोखा वाली दावत में उन्होंने पूर्वांचल के लोगों को निमंत्रण पत्र भेजे हैं। खास बात ये है कि पूर्वांचल समाज के लोगों को ये निमंत्रण भोजपुरी भाषा में भेजा गया है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का भोजपुरी भाषा में ये निमंत्रण पूर्वांचल समाज को बेहद भाया है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का ये अंदाज पूर्वांचल समाज में छाया है। सूत्र बताते हैं कि भोजपुरी वाले पत्र के साथ साथ कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बड़ी संख्या में लोगों को फोन भी किये हैं।

23 जनवरी को गाजियाबाद में बजेगा हवाई हमले वाला सायरन और सोसाइटियों में हो जाएगा ब्लैकआउट
सिविल डिफेंस के 100 वार्डन संभालेंगे सुरक्षा की पूरी कमान

- पुलिस, दमकल और प्रशासन का भी रहेगा इंतजाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : 26 जनवरी को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस है और गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम दिल्ली- एनसीआर में देखने को मिलते हैं। सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा रहता है और जगह-जगह अलर्टनेस पुलिस से लेकर प्रशासन की नजर आती है। इसी बीच 23 जनवरी की शाम 6:30 बजे गाजियाबाद की कई सोसाइटी में ब्लैकआउट होगा। घड़ी में जैसे ही 6:30 बजेंगे, पहले 2 मिनट तक तेज सायरन की आवाज गूंजेगी। फिर हवाई हमले का अलर्ट जारी होगा। कई सोसाइटियों की बत्ती बुझा दी जाएगी और सिविल डिफेंस गाजियाबाद के 100 से अधिक सिविल डिफेंस रेस्क्यू अभियान में जुट जाएगी। दरअसल उत्तर प्रदेश सिविल डिफेंस की ओर से गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए 23 जनवरी को पूरे प्रदेश के सभी प्रमुख जिलों में ब्लैकआउट और सायरन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसका मकसद लोगों में जागरूकता, किसी भी आपात स्थिति से बचने की तैयारी और हवाई हमले जैसे हालात में बचाव के क्या उपाय किए जा सकते हैं। इसको लेकर बड़ी मॉर्क ड्रिल की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मॉर्क ड्रिल के लिए सिविल डिफेंस ने अपने स्तर और जिला प्रशासन से लेकर पुलिस, फायर ब्रिगेड और सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर पूरी प्लानिंग कर ली गई है।

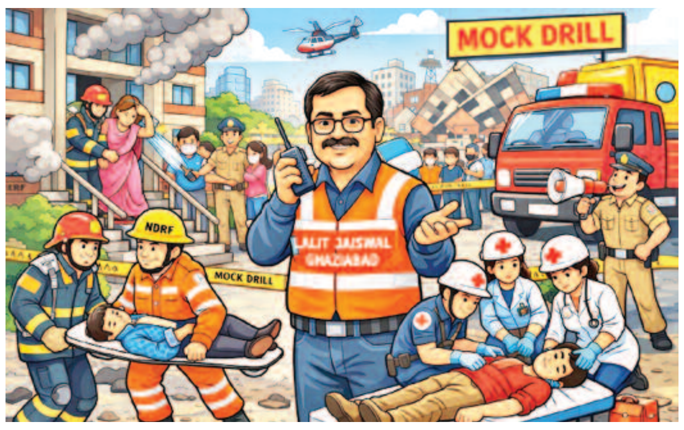

2000 से अधिक फ्लैट्स और चार सोसायटी डूबेंगी अंधेरे में

करंट क्राइम : सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने जानकारी दी है कि 23 जनवरी को गोल्फ लिंक, आशियाना सोसायटी , स्कारडी और विला के लगभग 2000 से अधिक फ्लेट में 6 :30 बजे सायरन बजाने के बाद अधेरा छा जाएगा। इस दौरान सिविल डिफेंस के 100 से अधिक सदस्य लोगों को हवाई हमले के दौरान बिजली बंद करने, रोशनी न फैलान, लिफ्ट का प्रयोग नहीं करने, किसी कोन एवं भारी सामान के आसपास ना रहने जैसे महत्वपूर्ण टिप्स देंग। साथ ही आग लगे और हमला होने की सूरत में किन रास्तों से सोसायटी के बाहर निकल जाएं, इसकी भी जानकारी दी जाएगी।

हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन को बजाया जाएगा

करंट क्राइम : 23 जनवरी को हमले की स्थिति में बचाव के लिए नागरिकों और छात्रों आदि को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जाए। मॉक ड्रिल के दौरान ब्लैक आउट किया जाएगा। महत्वपूर्ण संयंत्रों/प्रतिष्ठानों को समय से पहले ही छिपाने के उपाय किए जाएंगे। साथ ही लोगों को निकालने की योजना और उसका अभ्यास करवाया जाएगा।

कफ सिरप मामले में क्राइम ब्रांच की एक और कार्रवाई
मध्य प्रदेश के ट्रक सप्लायर ट्रांसपोर्टर को किया गिरफ्तार

- शुभम जायसवाल और सौरभ त्यागी तक माल पहुंचाने के लिए इसी के ट्रकों का होता था इस्तेमाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश से लेकर देशभर में हलचल पैदा करने वाले कफ सिरप नकली सिंडिकेट और इसके बड़े सौदागरों के माल को एक राज्य से दूसरे राज्य और एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचाने के लिए जिन ट्रैकों का इस्तेमाल किया जाता था और ट्रांसपोर्टर सप्लायरों से ट्रकों को ऑनडिमांड मांगता था, गाज़ियाबाद क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम ने उस मुख्य आरोपी कमल मोर्य निवासी कटारा जिला मध्य प्रदेश और मूलरूप से होशंगाबाद निवासी 40 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की माने तो देशभर के अलग-अलग हिस्सों में कफ सिरप की तस्करी और कालाबाजारी के लिए जो माल पहुंचा जाता था, वह इसी के माध्यम से लिए गए ट्रैकों के जरिए होता था। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच स्वॉट टीम की मानें तो यह अबतक 10 से 12 ट्रकों को अलग-अलग स्थान पर भेज चुका है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट का दावा है कि इसको हर ट्रक की बिलिंग पर एक लाख रुपये से अधिक मिलता था ताकि यह ऑनडिमांड ट्रक समय से पहुंचा दे।

इंदौर में ट्रक यूनियन से लेकर ट्रांसपोर्टरों तक को लाइनअप करता था कमल मोर्य

करंट क्राइम : गाजियाबाद क्राइम ब्रांच के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कमल मोर्य बीते 10 वर्षों से ट्रांसपोर्ट की लाइन में जुड़ा हुआ है। आरोपी मध्य प्रदेश के जिला मंडल का रहने वाला है। यह इंदौर और मध्य प्रदेश के प्रमुख जिलों के सभी बड़े और छोटे ट्रांसपोर्टरों और ट्रक यूनियन के नेताओं के संपर्क में रहता था। जैसे ही उसे बनारस, दिल्ली ,गाजियाबाद और अन्य शहरों में कफ सिरप की तस्करी और कालाबाजारी का माल पहुंचाना होता था, तो कमल मोर्य ही ट्रक मुहैया करवाने का काम करता था। पुलिस के सूत्र बताते हैं कि उसने इंदौर में कई ट्रक यूनियन के नेताओं से दोस्ती कर रखी थी और रात को वह अगर दो बजे भी ट्रक की डिमांड करता था, तो उसे ट्रक डिमांड को पूरा करवाया जाता था। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस ने जिस तरीके से सौरभ त्यागी की गिरफ्तारी की थी। तो उसके साथ ही जो पुलिस द्वारा ट्रक पकड़े गए थे, उसमें गाजियाबाद के मछली गोदाम से जेल गए ट्रांसपोर्टर, बरेली गोरखपुर ट्रांसपोर्ट के मालिक संतोष भड़ाना और अन्य कफ सिरप वाले इसके संपर्क में रहते थे। जो मोटे कमीशन के हिसाब से प्रतिबंधित सामान को ले जाते थे।

चूना,चावल, चिप्स, नमकीन और गेहूं में पहुंचता था ट्रकों में कफ सिरप

करंट क्राइम : गाजियाबाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि नकली और तस्करी वाला कफ सिरप जब त्रिपुरा, दिल्ली, बनारस, गाजियाबाद पहुंचाया जाता था, तो गाड़ियों में चूना, चावल, चिप्स ,नमकीन और गेहूं का बिल बनाकर उसमें नकली कप सिरप और तस्करी वाले माल को शामिल कर दिया जाता था ताकि यह आसानी से पहुंच जाए। बताया जा रहा है कि कमल मोर्य ने पूरा नकली कफ सिरप तस्करी के लिए सेटअप तैयार कर रखा था और बीते लगभग एक साल के दौरान उसने 10 से 12 ट्रक सोनभद्र और टीकमगढ़ के संपर्क वाले लोगों से देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचने का काम भी किया है।

मध्य प्रदेश से आरोपी को ढूंढ लाई सीपी की क्राइम ब्रांच

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर लगातार क्राइम ब्रांच स्वॉट की टीम कफ सिरप तस्करी मामले के अलग-अलग पन्ने खोलने का काम कर रही है। इसमें कई गिरफ्तारी हुई, तो भारी मात्रा में माल की बरामदगी भी क्राइम ब्रांच गाजियाबाद द्वारा की गई है। बता दें की पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के नेतृत्व में एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह और इंस्पेक्टर अनिल राजपूत की खास टीम इस पूरे मामले की जांच और आरोपियों तक पहुंचाने का काम कर रही है।

समाजवादी पार्टी जिला और महानगर अध्यक्ष को जल्द होना होगा अपडेट!
पार्टी रजिस्टर में कभी 12 तो कभी 15 ही रह जाते हैं नेम

- सपा कार्यालय नहीं हो रहा गुलजार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पार्टियों में तेज हो चली है। भाजपा, बसपा, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस चुनावी मैप बनाते हुए संगठन को मैदान में उतार रही हैं। मगर इसी दौर में समाजवादी पार्टी गाजियाबाद के जिला और महानगर अध्यक्ष को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पार्टी का आरडीसी स्थित कार्यालय इस समय चुनाव मोड से काफी दूर है। कार्यालय के उपस्थिति रजिस्टर की गवाही बताती है कि न तो सपा का कार्यालय गुलजार है और न ही कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश नजर आ रहा है। कभी 12 तो कभी 15-16 नाम तक ही उपस्थिति सिमटकर रह जाती है। चुनाव में भीड़ ही जीत का पहला मंत्र होती है और संगठन का संख्या बल ही वोट विनिंग का टारगेट तय करता है, लेकिन गाजियाबाद संगठन में इस समय संख्या बल का संकट साफ दिख रहा है।

बड़े नेता भी नहीं बदल पा रहे सीन

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के कई बड़े नेता समय-समय पर कार्यालय आते रहते हैं, मगर उनकी मौजूदगी भी भीड़ वाला पैगाम नहीं दे पा रही। न बड़ी संख्या में पदाधिकारी दिखाई दे रहे और न ही कार्यकर्ताओं की रौनक। ठंड अब लगभग कम हो चुकी है, लेकिन सपा का जोश, जुनून और जज्बा अभी भी शांत दिखाई दे रहा है। यही सवाल इन दिनों पार्टी में भी गूंज रहा है। राजनीतिक चर्चाएं कहती हैं कि अगर महानगर और जिला अध्यक्ष ने अपनी ताकत, कलेवर और नेटवर्क को समय रहते अपडेट नहीं किया तो आने वाले समय में उन पर भी परिवर्तन का टैग लग सकता है। इससे पहले भी सपा में कई जिलों को लेकर ऐसा किया जा चुका है। वहीं सिस्टम में कई ऐसे नेता भी मौजूद हैं जो अपनी एंट्री का इंतजार कर रहे हैं और 2027 के चुनाव में फुल फ्लैश दिखाई देने को उतावले हैं।

राजनीतिक चर्चाएं कहती हैं कि अगर महानगर और जिला अध्यक्ष ने अपनी ताकत, कलेवर और नेटवर्क को समय रहते अपडेट नहीं किया तो आने वाले समय में उन पर भी परिवर्तन का टैग लग सकता है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने करवाई सीएम योगी आदित्यनाथ से सोनू कश्यप हत्याकांड के परिजनों की मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मेरठ ज्वालागढ़ हत्याकांड में दिवंगत सोनू कश्यप के परिजनों को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने बुधवार को लखनऊ में पीड़ित परिवार की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवाई। परिजनों ने मुलाकात से पहले मंत्री नरेंद्र कश्यप को पूरी घटना का विस्तृत ब्यौरा दिया था और बताया था कि इस जघन्य मामले ने परिवार को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा आघात पहुँचाया है। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसे मुख्यमंत्री के संज्ञान में रखा और परिजनों की भेंट सुनिश्चित कराई।

सीएम आवास पर हुई मुलाकात के दौरान मृतक सोनू कश्यप की बहन आरती कश्यप और अन्य परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को घटना के क्रम, आरोपियों की भूमिका और उससे जुड़े तमाम पहलुओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पूरा घटनाक्रम संवेदनशीलता के साथ सुना और स्पष्ट रूप से कहा कि इस हत्याकांड में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकारी सहायता और अन्य सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि पीड़ित परिवार इस मुश्किल समय में राहत महसूस कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष और तेज गति से आगे बढ़े।

पीड़ित परिवार ने मंत्री नरेंद्र कश्यप का भी आभार व्यक्त किया कि उनकी पहल से मुलाकात संभव हुई और मामले को उच्च स्तर पर उठाया गया। परिवार ने मुख्यमंत्री के आश्वासन पर संतोष जताते हुए न्याय व्यवस्था में अपना विश्वास दोहराया। यह मुलाकात मामले को आगे न्यायिक रूप से मजबूत करने और प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज करने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

यूपी बार काउंसिल चुनाव : दूसरे चरण में गाजियाबाद में दूसरे दिन का मतदान सम्पन्न

- अब 27-28 जनवरी को होगा तीसरा चरण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सामान्य निर्वाचन 2025-26 के तहत दूसरे चरण का मतदान बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से गाजियाबाद कोर्ट परिसर में सम्पन्न हो गया। यह चुनाव सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। बार काउंसिल चुनाव में कुल 333 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनावी कार्यक्रम 16 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित है। पहले चरण का मतदान 16-17 जनवरी, जबकि

दूसरे चरण का मतदान 20-21 जनवरी को हुआ। बुधवार दूसरे चरण का अंतिम दिन था और इसी दिन गाजियाबाद में वोटिंग सम्पन्न हुई। दूसरे चरण के तहत गाजियाबाद के साथ देवरिया, एटा, इटावा, फरुर्खाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतम बुद्ध नगर, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, जालौन और झांसी में भी मतदान किया गया। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुआ। गाजियाबाद में दो दिन हुए मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। यहां से राजेंद्र कसाना, विपिन, डॉ. कौसरजहां, धर्मशिला और विनीत प्रमुख दावेदारों के रूप में मैदान में रहे। अब चुनाव का तीसरा चरण 27 और 28 जनवरी, जबकि अंतिम चौथा चरण 30 और 31 जनवरी को आयोजित होगा। कुल 2,49,880 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर नए पदाधिकारियों का चुनाव करेंगे। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए गाजियाबाद कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

संपादकीय

सुधार के शुरुआती संकेत

बाजार की गतिविधियों, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से संबद्ध अनुमान से पता चलता है कि यह उद्योग शुरूआती सुधार की दिशा में है। यह अभी शुरूआत है। हालांकि, भू-राजनीतिक अशांति, मुद्रा अस्थिरता, अमेरिका की वीजा प्रक्रियाओं में प्रमुख बदलाव और व्यापक रूप से डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का अलग-थलग रहना, आदि मिलजुलकर इसे बेपटरी कर सकते हैं। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2025 में 12.5 फीसदी गिरा। यह एक महत्त्वपूर्ण गिरावट थी क्योंकि इसी अवधि में मुख्य सूचकांक निफ्टी 10.5 फीसदी ऊपर था। हालांकि, पिछले तीन महीनों (अक्टूबरझ्रदिसंबर) में आईटी इंडेक्स में 12 फीसदी का सुधार आया है।

तीसरी तिमाही आमतौर पर पश्चिमी देशों में अवकाश के कारण नर्म तिमाही होती है और इस लिहाज से नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं। अब तक आए आंकड़े या तो अनुमान के मुताबिक रहे हैं या उससे बेहतर। प्रमुख कंपनियों के प्रबंधन के अनुमान आशावादी हैं। यह पिछली 10 तिमाहियों से बेहतर हैं क्योंकि उस दौरान अनुमान सतर्कता वाला था। इन्फोसिस और एचसीएल टेक दोनों ने अपने अनुमान में सुधार किया है। टीसीएस ने कहा है कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में उसका अंतरराष्ट्रीय राजस्व वित्त वर्ष 25 से बेहतर होगा। उसने यह अनुमान मांग में सुधार के आधार पर जताया है। विप्रो अभी भी वृद्धि हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है। अगली श्रेणी में टेक महिंद्रा ने भी अनुमान से बेहतर परिणाम दिए हैं और कंपनी प्रबंधन उत्साहित है। टीसीएस के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुधार आर्टिफिशल इंटेलिजेंस या एआई से संबंधित अल्पकालिक परियोजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से एआई को अपनाए जाने के कारण हो सकता है। विवेकाधीन खर्च में सुधार हो सकता है जो आगे चलकर कमजोर राजस्व की भरपाई कर सकता है।

इन्फोसिस को वेंडर्स का समेकित होना एक सकारात्मक पहलू लगता है और उसका कहना है कि ग्राहकों की अपेक्षाएं एआई-आधारित उत्पादकता लाभ की ओर बढ़ रही हैं। टेक महिंद्रा का कहना है कि संचार क्षेत्र में सुधार के शुरूआती संकेत दिख रहे हैं और विनिर्माण में एरोस्पेस और उद्योग से बढ़ती मांग देखी जा रही है, हालांकि वाहन क्षेत्र कमजोर है और हाई-टेक अस्थिर है।

अंतरराष्ट्रीय शोध समूह आईएसजी का कहना है कि 2025 में बिजनेस आउटसोर्सिंग और इंजीनियरिंग शोध एवं विकास दोनों में वृद्धि देखी गई, जबकि प्रबंधित सेवाओं की वृद्धि सपाट रही और बड़े सौदों की कमी से बाधित रही। क्लाउड माइग्रेशन, एआई को अपनाना, साइबर सुरक्षा निवेश और प्लेटफॉर्म आधारित उपभोग जैसी प्रवृत्तियां लगातार दिखाई देती हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारतीय आईटी कंपनियों के लिए कारोबारी सेवा बाजार अभी भी दबा हुआ है।

रोचक तथ्यों का करंट

- अमेरिका में सबसे पुरानी अंगूर की बेल उत्तरी केरोलिना में एक 400 वर्षीय स्कूपरनॉन्ग बेल है।
- अंगूर की बेल छोटे फूल पैदा करती है जो कि गुच्छों में लगे होते हैं, फूलों में पुरुष (पुंकेसर) और मादा (पिस्टिल) प्रजनन अंग होते हैं और वे आत्म-परागण के लिए सक्षम होते हैं।
- क्या आप जानते हैं? सूखे अंगूर (किशमिश) में केवल 15% पानी होता है।
- अंगूर में लगभग 80% पानी होता हैं, जो उन्हें कम कैलोरी वाला भोजन बनता है।
- स्पेन में एक परंपरा है जिसमें 31 दिसंबर की आधी रात को चर्च की हर घंटी के बजने के साथ एक अंगूर खाया जाता है।
- अंगूर से शराब का उत्पादन 5000 ईसा पूर्व में शुरू किया गया था।
- क्या आप जानते हैं? अस्थमा, अपच, माइग्रेन, किडनी रोग और थकान का इलाज करने के लिए अंगूर का उपयोग किया जाता है।
- अंगूर विटामिन सी और के और बी समूह के विटामिन का समृद्ध स्रोत है। अंगूर कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम और मैग्नीशियम का भी उत्कृष्ट स्रोत हैं।

राशिफल

मेष: अपने पार्टनर को वैसे ही स्वीकार करें जैसे वह है, उसे बदलें नहीं। जबर्दस्ती कुछ करने से संबंध खराब होंगे।

वृष: किसी बात को लेकर पार्टनर पर शक की स्थिति बनेगी। अपने पार्टनर को छोड़कर आप किसी और की तरफ आकर्षित होंगे।

मिथुन: मन प्रसन्न रहेगा। मूड रोमांटिक रहेगा और पार्टनर के और करीब आने का मन करेगा। लव कपल शाम तक रोमांटिक डेट पर जा सकते हैं।

कर्क: अगर आपका किसी विवाहित व्यक्ति या महिला से अफेयर चल रहा है तो सावधान हो जाइए इस रिश्ते को खत्म कर देना ही बेहतर होगा।

सिंह: शादीशुदा जोड़ों के बीच अनबन रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें बात को आगे न बढ़ाएं। छोटे-छोटे मतभेदों को ज्यादा महत्व न दें, नहीं तो रिश्ते खराब हो जाएंगे।

कन्या: आज का दिन लव कपल्स के लिए अच्छा है। सिंगल आज किसी के प्रति आकर्षित होंगे। नए रिश्ते की शुरूआत करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला: आज आप अपने पार्टनर से ज्यादा दोस्तों के साथ समय बिताएंगे। दिन यादगार रहेगा। कुछ दिनों के लिए रिश्ते से ब्रेक लेकर अपनी लाइफ में जीने की सोचेंगे।

वृश्चिक: यदि आप किसी नए रिश्ते की शुरूआत करने जा रहे हैं तो यह आपके लिए अनुकूल है। आप लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ रहेंगे।

धनु: छोटी-मोटी अनबन की वजह से रिश्तों पर ब्रेक न लगाएं और न ही नए रिश्ते बनाने के बारे में सोचें। अगर रिश्तों को महत्व देते हैं, तो ही प्यार मिलेगा।

मकर: लव कपल्स के लिए दिन सामान्य रहेगा। रिश्तों की कड़वाहट को दूर करें और कुछ पल साथ बिताएं।

कुंभ: यदि किसी से विवाह की बात कर रहे हैं तो दिन शुभ है। आज अगर आप अपने परिजनों से अपने रिश्ते की चर्चा करते हैं तो शुभ परिणाम मिलने के संकेत हैं।

मीन: प्रेम संबंधों के लिए अच्छा दिन है। कपल्स के बीच लंबे समय से चली आ रही अनबन आज सुलझ जाएगी। संबंधों में सुधार होगा।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

ओज, राष्ट्रबोध और पत्रकारिता का पर्याय, कविवर कृष्ण मित्र की जीवन-यात्रा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय महाकवि कविवर स्वर्गीय कृष्ण मित्र हिन्दी साहित्य की उस परंपरा के सशक्त हस्ताक्षर हैं, जिनकी कविता केवल भावाभिव्यक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति सजग उत्तरदायित्व का घोष है। 15 अक्तूबर 1934 को कोटनक्का (जिला गुजरॉवाला, वर्तमान पाकिस्तान) में जन्मे कृष्ण मित्र ने विभाजन की पीड़ा, विस्थापन की यातना और संघर्षपूर्ण जीवन को निकट से देखा। यही अनुभव उनकी कविताओं में ओज, चेतना और प्रतिरोध का स्वर बनकर उभरा। भारत विभाजन के बाद यायावरी जीवन जीते हुए वे 1950 में गाजियाबाद आए और यहीं उनकी साहित्यिक यात्रा ने स्थायित्व पाया। प्रारंभिक आर्थिक संघर्षों के बीच उन्होंने दैनिक वीर अर्जुन से पत्रकारिता की शुरूआत की। उस समय इस पत्र के प्रधान संपादक देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। पत्रकारिता के अनुभव ने उनके लेखन को सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ से जोड़ा और कविता को जनसंवाद का माध्यम बनाया।

कृष्ण मित्र ने शिक्षा के क्षेत्र में भी दीर्घ सेवा दी। स्नातकोत्तर अध्ययन के उपरांत वे दिल्ली प्रशासन में हिन्दी एवं संस्कृत शिक्षक के रूप में लगभग 25 वर्षों तक कार्यरत रहे। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने स्वयं को पूर्णतः स्वतंत्र लेखन और साहित्यिक गतिविधियों को समर्पित कर दिया। उनका पहला कविता संग्रह जवानी जगा करती है (1978) हिन्दी साहित्य में ओज काव्य का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। इसके बाद प्रकाशित सुन रे! इतिहास पुरुष, रक्षा कवच ढीले हैं, परिवेश में रहते हुए, महाभारत कब तक, कैद में सूरज, चलो अयोध्या जैसे संग्रहों ने उन्हें राष्ट्रीय चेतना के कवि के रूप में स्थापित किया। महागीत यह अपना हिन्दोस्तान है क्या में उन्होंने सामाजिक कुरीतियों और राजनीतिक विसंगतियों पर तीखा प्रश्न खड़ा किया, जबकि डाकिया श्रृंखला (डाकिए कागज के, दूसरा, तीसरा और चौथा डाकिया) समकालीन राजनीति की काव्यात्मक दैनंदिनी बन गई। कृष्ण मित्र की कविताओं की विशेषता यह है कि वे अवसरवादी नहीं रहीं। उनका काव्य सत्ता, समाज और इतिहास- तीनों से संवाद करता है। इसी कारण राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी, गोपालदास नीरज, काका हाथरसी, गोपाल प्रसाद व्यास, क्षेमचन्द्र सुमन और डॉ. कुँअर बेचैन जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने उनकी रचनात्मक ऊर्जा, ओजस्वी भाषा और नैतिक दृढ़ता की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

साहित्यिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं में उनकी सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। वे अखिल भारतीय साहित्यकार संघ के संस्थापक सदस्य रहे, हिन्दी भवन समिति से जुड़े, अनेक शैक्षिक संस्थानों के अध्यक्ष रहे और पत्रकारों की जनपदीय संस्था गाजियाबाद जर्नलिस्ट क्लब के संरक्षक रहे। आकाशवाणी और दूरदर्शन से उनकी कविताओं का नियमित प्रसारण हुआ। उनकी साहित्यिक साधना को देश-विदेश में सम्मान मिला। दिनकर सम्मान, साहित्य श्री, साहित्य भूषण, ओज कवि सम्मान, गाजियाबाद गौरव सहित दर्जनों राष्ट्रीय व प्रादेशिक सम्मानों से अलंकृत कृष्ण मित्र को सूरीनाम विश्व हिन्दी सम्मेलन में भारत सरकार के प्रतिनिधि मंडल में भी शामिल किया गया। उनके साहित्य पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और गढ़वाल विश्वविद्यालय में शोध कार्य स्वीकृत होना उनकी रचनात्मक महत्ता का प्रमाण है। कविवर कृष्ण मित्र की काव्य-यात्रा केवल साहित्यिक उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि एक ऐसे रचनाकार की जीवनगाथा है जिसने ईमानदारी, संघर्ष और राष्ट्रबोध को अपनी कविता का मूल स्वभाव बनाया। उनका शब्द आज भी जनमन में चेतना की चिंगारी सुलगाता है और हिन्दी साहित्य में ओज परंपरा को जीवंत बनाए हुए है।

भारत में निवेश के बंपर मौके

आंध्र-कर्नाटक से लेकर गुजरात तक बड़ी कंपनियों के रडार पर

नई दिल्ली। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक 2026 के दौरान भारत के राज्यों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अपनी मजबूती का लोहा मनवाया है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और झारखंड के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने दावोस में दुनिया की दिग्गज कंपनियों के साथ चर्चा की हैं। इस बार का फोकस पारंपरिक उद्योगों से हटकर ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सस्टेनेबिलिटी पर है।

आंध्र प्रदेश: ब्रुकफील्ड के साथ 12 अरब डॉलर की साझेदारी पर काम तेज : आंध्र प्रदेश सरकार ने निवेश के मामले में आक्रामक रुख अपनाया है। राज्य के आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंटके साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया है।

12 अरब डॉलर का विजन: राज्य सरकार विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित 12 अरब डॉलर के समझौता ज्ञापन (टङ्कव) के तहत अगले कदमों में तेजी ला रही है।

फोकस एरिया: चर्चा का मुख्य केंद्र विशाखापत्तनम में ब्रुकफील्ड का गीगावाट-स्केल डेटा सेंटर कैंपस है, जो क्लीन एनर्जी से संचालित होगा। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन और सोलर मैन्युफैक्चरिंग पर भी बात हुई है।

सरकार का बयान: आंध्र नारा लोकेश ने कहा कि ब्रुकफील्ड जैसी ग्लोबल पावरहाउस का आंध्र पर भरोसा जताना राज्य की क्षमता को दशार्ता है। यह साझेदारी गति, पैमाने और स्थिरता पर आधारित है।

कर्नाटक: रिन्यू पावर और जाइलम के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

कर्नाटक के भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने रिन्यू पावर, जाइलम इंक और ऑक्टोपस एनर्जी के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन चचाओं का उद्देश्य राज्य में रिन्यूएबल एनर्जी और जल अवसंरचना को आधुनिक बनाना है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 271 अंक टूटा, निफ्टी 25200 के नीचे

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि, वैश्विक बाजार की कमजोरियों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के कारण निवेशकों में दहशत फैलने से बुधवार को शेयर बाजार के सूचकांक लगातार तीसरे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा, रुपये की लगातार कमजोरी के बीच वित्तीय, बैंक और उपभोग शेयरों में बिकवाली ने भी बाजारों पर दबाव बढ़ा दिया।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान बेंचमार्क 1,056.02 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 81,124.45 पर आ गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 75.00 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 25,157.50 पर बंद हुआ।

रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ : वैश्विक बाजारों में सतर्कता और डॉलर की मजबूत मांग के बीच बुधवार को भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तेज गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 91.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और मारुति सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थीं। इसके विपरीत, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंटरग्लोब एविएशन और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

'एआई में भारत दूसरे दर्जे का कैसे हो सकता है?'

दावोस में आईएमएफ चीफ की टिप्पणी पर वैष्णव ने उठाया सवाल

दावोस। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दावोस में कहा है कि दुनिया में तकनीक के लोकतंत्रीकरण को लेकर गहरी जिज्ञासा है और यह सुनिश्चित करने का यही सही रास्ता है कि एआई सहित सभी तकनीकी नवाचारों का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। विश्व भारत को वैश्विक नवाचार के प्रमुख चालक के रूप में देखता है।

इस वर्ष डब्ल्यूईएफ के मंच पर

भारत के कितन राज्य मौजूद

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री मोदी के सहकारी संघवाद के मंत्र के तहत अधिक से अधिक राज्यों को दावोस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 10 राज्य दावोस में मौजूद हैं और जितने अधिक राज्य शामिल होंगे, उतना ही बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को न केवल दावोस में भागीदारी में मदद करती है, बल्कि यहां उद्योग जगत और वैश्विक नेताओं के साथ सार्थक बैठकों की व्यवस्था में भी सहयोग करती है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र के शीर्ष वैश्विक लीडर्स के साथ हुई बैठक में भारत में किए जा रहे कार्यों की खुले तौर पर सराहना की गई।

चुटकुले

चिंटू दर्जी के पास गया और उससे पूछा- पैंट की सिलाई कितनी है?
दर्जी - 300 रुपए...
चिंटू - और निक्कर की...?
दर्जी - 100 रुपए...
चिंटू (कुछ देर सोचकर) - तो फिर निक्कर ही सिल दो, बस लंबाई पैरों तक कर देना...

बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है
बंस अंकल, चलते-चलते बहुत दूर चली गई मुझसे।

किडनैपर: अगर आज रात तक तुमने हमें 10 लाख रुपए नहीं दिए,
तो हम तुम्हारी पत्नी को वापस छोड़ जाएंगे!
आदमी- अरे ये बता आना कहां है पैसे लेकर, डराता क्यों है?

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

कोहली की आलोचना के बाद मांजरेकर के इस नए बयान से बवाल, गंभीर का किया समर्थन

मुंबई। न्यूजीलैंड के हाथों पहली बार भारत की घरेलू वनडे सीरीज हार पर जहां आलोचना तेज हो गई है, वहीं पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का बचाव किया है। मांजरेकर ने दावा किया कि द्विपक्षीय सीरीज का कोई महत्व नहीं होता और क्रिकेट फैंस दो हफ्ते बाद इन नतीजों को याद भी नहीं रखते। उनके मुताबिक, असली मायने केवल वर्ल्ड कप के होते हैं।

भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर पहली बार वनडे सीरीज (2-1) में हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद आलोचना सीधे कोच गौतम गंभीर और युवा कप्तान शुभमन गिल तक पहुंच गई। इस बीच संजय मांजरेकर ने इंडिया टीम मैनेजमेंट के बचाव में आते हुए विवादित टिप्पणी की है और फैंस को भड़काने वाला बयान दिया है। मांजरेकर ने कहा कि यह सीरीज उतनी बड़ी बात नहीं है जितनी दिखाई जा रही है क्योंकि द्विपक्षीय सीरीज लंबे समय तक याद भी नहीं रहती। उनके मुताबिक, टीम को अपने खराब प्रदर्शन अभी सुधार लेने चाहिए ताकि बड़े टूनामेंट में गलती न हो।

'वनडे में मायने सिर्फ वर्ल्ड कप के हैं'

संजय मांजरेकर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम वीडियो में ऐसा बयान दिया जो बहस का मुद्दा बन गया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो आज 50 ओवर क्रिकेट में असली मायने सिर्फ वर्ल्ड कप के हैं, चैंपियंस ट्रॉफी के भी नहीं। अगर आप कोशिश करें और

पिछली तीन चैंपियंस ट्रॉफी विजेताओं को याद करें, तो आपको मुश्किल होगी, लेकिन 50 ओवर वर्ल्ड कप के विजेता हर कोई याद रखता है।'

उनके अनुसार टीम को इस समय झटके मिलते रहें तो बेहतर है, क्योंकि वर्ल्ड कप से पहले गलतियों को सुधारने का मौका मिल जाता है।

'दो हफ्तों बाद कोई नतीजा याद नहीं रखता': मांजरेकर ने द्विपक्षीय सीरीज के महत्व पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा, 'ये द्विपक्षीय सीरीज शेड्यूल्ड होती हैं, लेकिन असल में वार्म-अप मैच जैसी होती हैं। इन पर ज्यादा पढ़ने की जरूरत नहीं होती। सच्चाई यह है कि दो हफ्तों बाद कोई भी क्रिकेट फैन इस वनडे सीरीज के नतीजों को याद भी नहीं रखेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि किसी वर्ल्ड कप से पहले की फॉर्म से यह तय नहीं होता कि वर्ल्ड कप कौन जीतेगा। हार के बाद गौतम गंभीर पर दबाव काफी बढ़ गया है। खासकर विराट कोहली से अनबन की खबरों ने भी उनकी मुश्किलें बढ़ाईं थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ हार ने माहौल और तनावपूर्ण कर दिया।

मांजरेकर ने कोहली पर साधा था निशाना

कुछ समय पहले मांजरेकर ने कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह केवल वनडे खेलकर निराश कर रहे हैं। मांजरेकर के शब्द थे, 'एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज के लिए वनडे सबसे आसान फॉर्मेट है। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से चले गए और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पांच साल तक संघर्ष किया और टेस्ट औसत गिरता गया।' यह सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन गया था। जहां कुछ लोगों ने मांजरेकर की खूब आलोचना की, वहीं कुछ ने उन्हें सही बताया था। हालांकि, टीम इंडिया की सीरीज हार के बाद फैंस ने सवाल जरूर उठाए थे कि सबसे आसान फॉर्मेट में हार गए। विराट कोहली एक बार फिर शानदार फॉर्म में दिखे थे।

सिंधु-श्रीकांत की शानदार जीत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

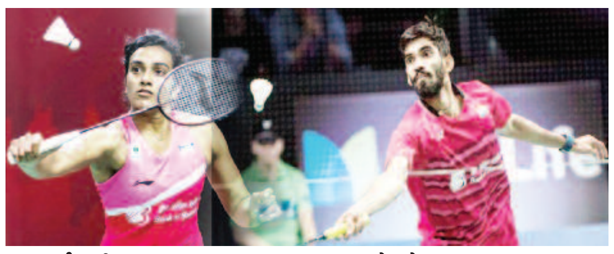

जकार्ता। श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत अपने अपने मुकाबले जीतकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए । पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने जापान की मनामी सुइजू को 53 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। वहीं विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने एक घंटे 12 मिनट तक चले मैच में दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे को 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। किरण जॉर्ज को पहले दौर में इंडोनेशिया के एक जाकी उबेदिल्लाह के हाथों 17-21, 14-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। महिला एकल में आकर्षि कश्यप भी पहले दौर में जूली डावाल जाकोबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गई। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब रोहन कपूर और रूत्विका गाडे के अलावा ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी पहले दौर में हार गई।

यूरोप में अभिषेक बच्चन की ईटीपीएल टी-20 लीग में जुड़े दिग्गज; फ्रेंचाइजी के मालिक बने स्टीव वॉ-मैक्सवेल

लंदन। यूरोपीय क्रिकेट को नया आकार देने के लिए बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन की यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग मैदान में उतर चुकी है। आईसीसी की मान्यता और नीदरलैंड, आयरलैंड व स्कॉटलैंड के समर्थन वाली इस लीग में स्टीव वॉ, ग्लेन मैक्सवेल और जैमी ड्वायेर जैसे दिग्गज फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में जुड़े हैं। वॉ के अनुसार यह यूरोप में क्रिकेट के विस्तार का बड़ा अवसर है और उनके लिए व्यक्तिगत चुनौती भी।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग बुधवार को तब चर्चा में आई जब इसमें फ्रेंचाइजी मालिकों के रूप में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट महान स्टीव वॉ, हार्ड-हिटर ग्लेन मैक्सवेल और हॉकी सुपरस्टार जैमी ड्वायेर के नाम सामने आए। बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन द्वारा शुरू की गई इस लीग को आईसीसी से मान्यता प्राप्त है और इसे स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और आयरलैंड के क्रिकेट बोर्डों का समर्थन भी हासिल है। लीग पिछले साल लॉन्च हुई थी, लेकिन छह टीमों वाला 34 मैचों का टूनार्मेंट इस वर्ष आयोजित किया जाएगा। पहली तीन फ्रेंचाइजियों- एम्सटर्डम, एडिनबर्ग और बेलफास्ट के मालिकों की घोषणा की जा चुकी है।

कौन संभालेगा कौन सी टीम?

एम्सटर्डम फ्रेंचाइजी पर नेतृत्व स्टीव वॉ और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी कप्तान जैमी ड्वायेर का होगा। एडिनबर्ग की मालिकाना हक न्यूजीलैंड के पूर्व इंटरनेशनल नाथन मैकुलम और काइल मिल्स के हाथों में होगा। वहीं बेलफास्ट टीम ग्लेन मैक्सवेल और एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड के स्वामित्व में होगी। स्टीव वॉ ने इस मौके पर कहा, 'मैं काफी सोचकर चुनता हूं कि क्रिकेट में अपना समय और ऊर्जा कहां लगानी है। यह मौका खास है क्योंकि इसमें दूरदर्शी सोच है।'

यूरोप के लिए क्रिकेट का नया फ्रंटियर: स्टीव वॉ ने कहा कि उनके लिए यह निर्णय रणनीतिक और भावनात्मक दोनों है। वॉ ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मेरे लिए, यूरोप क्रिकेट का आखिरी मोर्चा है और इसीलिए मैं इसमें शामिल हूं।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'मैं पारंपरिक क्रिकेट के रास्ते पर नहीं गया। मैं अपने उद्यमों पर ध्यान देता रहा हूं। यह मेरे लिए एक बड़ी चुनौती है और क्रिकेट में वापसी का सही कारण भी।'

वॉ पहले भी मेंटोर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ईटीपीएल एक अलग तरह का अवसर है जो क्रिकेट को महाद्वीप में नई जमीन देगा। उन्होंने कहा, 'यह यूरोप में क्रिकेट के लिए एक नया मोर्चा है... नयी प्रतिभा ढूंढना और खेल का विस्तार करना सबसे रोमांचक है।'

टेस्ट क्रिकेट पर भी स्पष्ट राय

जब वॉ से पूछा गया कि क्या क्रिकेट फुटबॉल मॉडल की तरह क्लब आधारित होगा, तो उन्होंने कहा, 'मुझे अभी भी टेस्ट क्रिकेट पसंद है और हम चाहते हैं कि यह बना रहे।

भारत में टी-20 विश्व कप खेलने पर बोले- मेरे लिए जवाब देना सुरक्षित नहीं

ढाका। टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी पर लगातार बढ़ते विवाद के बीच टी20 टीम के कप्तान लिटन दास का हालिया बयान आग में घी का काम कर गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच वेन्यू और सुरक्षा विवाद ने हालात को इतना उलझा दिया है कि टूनार्मेंट शुरू होने में कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बांग्लादेश भारत जाकर खेलेगा या नहीं।

बीसीबी-आईसीसी खींचतान से टीम असमंजस में

बांग्लादेश बोर्ड ने आईसीसी से मांग की है कि टीम के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका शिफ्ट किए जाएं। बोर्ड ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है।

आईसीसी की तरफ से हालांकि इस मांग पर अभी तक सहमति नहीं मिली है और कई दौर की बैठकों के बाद भी निष्कर्ष नहीं निकला। इस गतिरोध ने पूरे बांग्लादेश को असमंजस में डाल दिया है। खिलाड़ियों से लेकर प्रशंसकों तक सभी को इंतजार है अंतिम फैसले का।

टी-20 विश्व कप 2026 के वेन्यू विवाद पर बांग्लादेश की भागीदारी अनिश्चित है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में मैच खेलने से सुरक्षा कारणों से इनकार करते हुए श्रीलंका शिफ्ट की मांग की है।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग के बाद लिटन दास ने तोड़ी चुप्पी

मंगलवार को बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैच के बाद जब लिटन दास से पूछा गया कि क्या टूनार्मेंट की पिचें विश्व कप की तैयारी में मददगार हैं, तो कप्तान ने सवाल को समझते हुए स्पष्ट किया कि इस समय वह इस विषय पर बोलने की स्थिति में नहीं हैं। लिटन के हवाले से ईएसपीएल क्रिकइन्फो ने लिखा, 'अगर हमें पता होता कि विश्व कप में ग्रुप चरण में हमें किनसे खेलना है या किस देश में खेलना है तो काफी मदद मिलती। हमने टीम का एलान कर दिया है, लेकिन किसी खिलाड़ी को नहीं पता कि किस देश में या किसके खिलाफ खेलना है। मेरी तरह पूरे बांग्लादेश को इस बारे में कुछ नहीं पता है।'

बांग्लादेश ने उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की है। इस बारे में पूछने पर दास ने कहा, 'क्या आपको पक्का यकीन है कि हम विश्व कप खेल रहे हैं। विश्व कप में अभी समय है और हमें पता ही नहीं है कि हम जा रहे हैं या नहीं। मेरी तरफ से मैं अनिश्चित हूं, सब अनिश्चित हैं। मुझे लगता है इस समय पूरा बांग्लादेश अनिश्चित है। कोई जवाब नहीं दूंगा। मैं समझ रहा हूं आप क्या पूछने वाले हैं। यह जवाब देना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है। कोई जवाब नहीं।'

उन्होंने भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव पर किसी सवाल का जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि खिलाड़ी क्रिकेट बोर्ड के फैसले के साथ होंगे। इस बयान ने पूरे विवाद को खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्थितियों पर केंद्रित कर दिया है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फैंस यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव है जिसके कारण कप्तान खुलकर बात नहीं कर पा रहे।

बेटे ब्रुकलिन से विवाद पर आई डेविड बेकहम की प्रतिक्रिया

लंदन। ब्रुकलिन बेकहम ने सोशल मीडिया पर छह पन्नों का बयान जारी कर माता-पिता डेविड और विक्टोरिया बेकहम पर झूठा नैरेटिव बनाने और नियंत्रण की कोशिश के आरोप लगाए। सुलह की संभावना को नकारते हुए ब्रुकलिन ने खुद को स्वतंत्र बताया। डेविड ने सीधे प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने जो कहा, उसे विवाद पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक चौंकाने वाली पारिवारिक विवाद ने तूफान खड़ा कर दिया, जब दिग्गज फुटबॉलर डेविड बेकहम के बड़े बेटे ब्रुकलिन बेकहम ने अपने माता-पिता डेविड और विक्टोरिया बेकहम पर गंभीर आरोप लगाते हुए छह पन्नों का लंबा बयान जारी किया।

इस बयान में ब्रुकलिन ने परिवार से सुलह की संभावना को खारिज कर दिया और दावा किया कि उनके माता-पिता उन पर और उनकी पत्नी निकोला पेल्ट्ज पर नियंत्रण लगाने की कोशिश करते रहे। ब्रुकलिन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में लिखा कि वह अपने जीवन में पहली बार अपने लिए खड़े हो रहे हैं और परिवार से दूरी बनाना ही उनकी मजबूरी है।

उन्होंने लिखा, 'मैं अपने परिवार के साथ फिर से जुड़ना नहीं चाहताड्ड मुझे नियंत्रित नहीं किया जा रहा, बल्कि मैं अपने जीवन में पहली बार अपने लिए खड़ा हो रहा हूं।'

डेरिल मिचेल ने एक हफ्ते में ही छीनी विराट कोहली की बादशाहत, वनडे के नए नंबर-एक बल्लेबाज बने

दुबई। न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक 1-2 सीरीज जीत के बाद आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव आया है। विराट कोहली नंबर-एक की पोजिशन से हटकर दूसरे स्थान पर चले गए हैं, और उनके स्थान पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मिचेल ने सीरीज में दो शतकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया और वह सीरीज के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से हार गई और इसका सीधा असर आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग पर पड़ा है। आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में विराट कोहली नंबर-एक का स्थान गंवा बैठे हैं और उनका स्थान न्यूजीलैंड के प्रमुख बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने ले लिया है। हालांकि, कोहली का रेटिंग पॉइंट्स में इजाफा हुआ है, लेकिन मिचेल ने शानदार प्रदर्शन के कारण रैंकिंग में उनसे आगे निकल गए।

मिचेल ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में तीन पारियों में 352 रन बनाए, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल था और उन्होंने सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी जीता।

इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उनके रेटिंग पॉइंट्स 784 से बढ़कर 845 हो गए, जिससे उन्होंने कोहली को पीछे छोड़ दिया। कोहली के रेटिंग पॉइंट्स 795 हैं। कोहली पिछले सप्ताह ही नंबर-एक बल्लेबाज बने थे। जुलाई 2021 के बाद उन्होंने यह स्थान हासिल किया था, लेकिन मिचेल का शानदार प्रदर्शन उनके पीछे आ गया और अब न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर बैठा है।

अन्य भारतीय बल्लेबाजों की स्थिति: भारत के दूसरे बड़े सितारे रोहित शर्मा इस रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड सीरीज में तीन पारियों में सिर्फ 61 रन बनाए और अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदल नहीं पाए, जिससे उनका रैंकिंग में गिरावट आई। वहीं, केएल राहुल ने शानदार वापसी की है और वह टॉप-10 में वापस आ चुके हैं।

राहुल ने पहले मैच में नाबाद मैच विजयी पारी खेली और दूसरे मैच में 112 रन का शानदार शतक भी लगाया था। हालांकि, निर्णायक तीसरे मैच में वह केवल एक रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उनके प्रदर्शन को रैंकिंग में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। श्रेयस अय्यर भी नंबर-11 पर हैं, जबकि शुभमन गिल नंबर-पांच पर बने हुए हैं।

आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग

रैंक	बल्लेबाज	टीम	रेटिंग पॉइंट्स
1	डेरिल मिचेल	न्यूजीलैंड	845
2	विराट कोहली	भारत	795
3	इब्राहिम जादरान	अफगानिस्तान	764
4	रोहित शर्मा	भारत	757
5	शुभमन गिल	भारत	723
6	बाबर आजम	पाकिस्तान	722
7	हैरी टेक्टर	आयरलैंड	708
8	शाई होप	वेस्टइंडीज	701
9	चरिथ असलंका	श्रीलंका	690
10	केएल राहुल	भारत	670
11	श्रेयस अय्यर	भारत	656
12	ट्रेविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	653
13	क्विंटन डिकॉक	दक्षिण अफ्रीका	646
14	पथुम निसांका	श्रीलंका	639
15	कुसल मेंडिस	श्रीलंका	638

ICC-BCB विवाद के बीच पाकिस्तानी पत्र से खलबली, टी-20 विश्वकप पर कही ये बात

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को पत्र लिखकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के पक्ष में समर्थन जताया है, जो राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा कारणों से भारत में ग्रुप-स्टेज मैच खेलने के लिए तैयार नहीं है। आईसीसी बुधवार को बोर्ड मीटिंग में इस पर अंतिम फैसला लेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भारत आने से इनकार कर चुका है और मैच श्रीलंका शिफ्ट करने की मांग कर रहा है, जबकि आईसीसी का रुख अब भी सख्त है। मामला राजनीतिक, क्रिकेटीय और कूटनीतिक स्तर पर बड़ा हो चुका है।

टी-20 विश्व कप 2026 को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। ईएसपीएन क्रिकइनफो की रिपोर्ट के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से सिर्फ तीन हफ्ते पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को ईमेल लिखकर कहा है कि वह बांग्लादेश की उस मांग का समर्थन करता है, जिसमें भारत में मैच खेलने पर सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह ईमेल मंगलवार को भेजा गया, यानी ठीक एक दिन पहले जब आईसीसी इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेने वाली है। पीसीबी ने आईसीसी बोर्ड के अन्य सदस्यों को भी ईमेल की कॉपी भेजी है। पीसीबी ने साथ ही बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी करने की पेशकश भी की है।

आईसीसी की बुधवार को बोर्ड मीटिंगः क्या बदलेगा निर्णय?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने इस मामले पर बुधवार को बोर्ड मीटिंग बुलाई है, जहां बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका शिफ्ट करने की बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग पर चर्चा होगी। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया, 'पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने में कोई समस्या आती है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी करने के लिए तैयार है।'

आईसीसी और बीसीबी के बीच इस मसले पर कई बार बात हो चुकी है, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। आईसीसी का कहना है कि टूनार्मेंट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा, जबकि बीसीबी भारत टीम नहीं भेजने पर अड़ा है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिये पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

बीसीबी और बांग्लादेश सरकार अड़े

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को अपनी सरकार का भी पूरा समर्थन मिला है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि टीम भारत में ग्रुप-स्टेज मैच नहीं खेलेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग है-

भारत की जगह श्रीलंका में मैच हों। सुरक्षा और राजनीतिक तनाव को बताया है कारण। 21 जनवरी की डेडलाइन, फैसला अब करो या मरो जैसा आईसीसी पहले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को 21 जनवरी तक अपना निर्णय साफ करने की डेडलाइन दे चुका है।

अमेलिया वाल्वेर्डे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच बनीं

- एएफसी एशियाई कप से पहले हुई नियुक्ति

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को इस साल एएफसी महिला एशियाई कप में हिस्सा लेना है। इससे पहले ही एआईएफएफ ने नए मुख्य कोच की घोषणा कर दी है।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई हैं। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही हैं। 15 बरस पहले कोचिंग करियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रहीं। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। इससे पहले वह कोस्टा रिका सीनियर और अंडर 20 महिला टीमों की कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

एरिना सबालेंका और कोको गॉफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में

मेलबर्न। दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गाफ आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। वहीं पुरूष वर्ग में कार्लोस अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गाफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया।

सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा जिन्होंने 28वीं वरीयता प्राप्त और पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडुकानू को 7-6, 6-2 से हराया। महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना

शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गाफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी।

स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से मात दी ।

तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को 6-2, 6-4 से हराया। पुरूष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेटिन हालिस को 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया जबकि 13वीं वरीयता

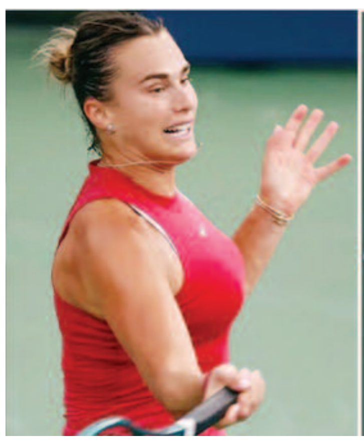

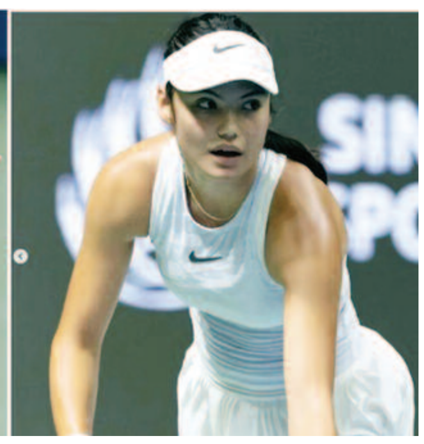

प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से मात दी ।19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

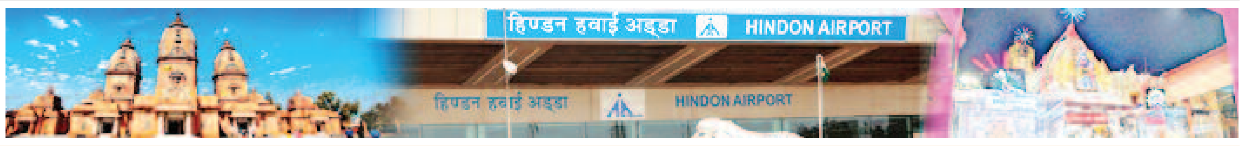

धूमधाम से मनाया गया पार्षद शीतल चौधरी का जन्मदिन

गाजियाबाद(करंट क्राइम)।भाजपा पार्षद शीतल चौधरी का जन्मदिन उनके समर्थ को कार्यकताओं और क्षेत्र के लोगों ने धूमधाम से बनाया। पार्षद शीतल चौधरी कोको जन्मदिन की बधाई देने के लिए भाजपा के कई नेता और क्षेत्र के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने शीतल चौधरी को उनके जन्मदिन पर उनकी लंबी आयु उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामना के साथ बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ग्राम योजना से पौने चार करोड़ की सड़कें स्वीकृत

हापुड़(करंट क्राइम)।हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में मुख्यमंत्री ग्राम योजना के तहत लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। हापुड़ में गढ़मुक्तेश्वर में तहसील क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य को गति मिली है। मुख्यमंत्री ग्राम योजना अंतर्गत पौने चार करोड़ की सड़कें स्वीकृत हुई है। सड़कों का निर्माण पूरा होने पर ग्रामीणों को राहत मिलेगी। सड़कों का निर्माण कार्य भी तेजी के साथ शुरू करा दिया गया है। विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने बताया कि क्षेत्र की जनता के हित में विकास कराया जाना प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री ग्राम योजना के अंतर्गत मध्य गंग नहर की पटरी सैदपुर से जनपद मेरठ की सीमा पुलिस चैक पोस्ट तक 64 लाख 44 हजार से सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

गाजियाबादः रेस्टोरेंट में परोसी जा रही थीं थूक वाली रोटियां!
वीडियो वायरल होने के बाद कारीगर और मालिक गिरफ्तार

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित एक चिकन प्वाइंट पर ग्राहकों को थूक लगाकर रोटियां परोसने का मामला सामने आया है। इस गंभीर आरोप में पुलिस ने रेस्तरां मालिक और कारीगर को गिरफ्तार किया है। इस घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है, वहीं लोगों में भारी गुस्सा है।

क्या है पूरा मामला?

गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित देहली-6 चिकन प्वाइंट में रोटी बनाने वाले कारीगर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह रोटियां बनाते समय उन पर थूकता हुआ नजर आ रहा है। यह वीडियो 19 जनवरी की रात स्थानीय लोगों द्वारा बनाया गया था, जब उन्होंने इस शर्मनाक हरकत को अपनी आंखों से देखा।

वीडियो वायरल होने के बाद तूल पकड़ गया मामला

वीडियो वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। लोगों ने इसे जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की और घटना की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस से की। वही जानकारी मिलने पर गोविंदपुरम पुलिस चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और शिकायत और साक्ष्यों के आधार पर कारीगर फैजान तथा रेस्तरां मालिक अमजद को हिरासत में लिया। दोनों आरोपी हापुड़ जिले के धौलाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

क्या बोले एसीपी?

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य से मिली जानकारी के अनुसार प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी आचार्य शिवाकांत पांडेय की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धार्मिक उन्माद फैलाने, संक्रमण फैलाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरे में डालने जैसी गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।

इस तरह के फूड पॉइंट की प्रशासनिक विभागों द्वारा की जा रही निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बता दें कि गाजियाबाद में इस तरह की कई घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, जिनमें पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद ऐसी घृणित घटनाओं से जहां लोगों में नाराजगी है वही इस तरह के फूड पॉइंट की प्रशासनिक विभागों द्वारा की जा रही निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं से आम लोगों में रोष है और इस तरह के खाद्य प्रतिष्ठानों की सख्त जांच व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग इलाके के लोगों द्वारा की जा रही है।

जब सवाल उठने लगे तो तब जांच करने पहुंची फॉरेंसिक और तकनीकी टीम

नोएडा (करंट क्राइम)। सेक्टर-150 हादसे के बाद हादसे के बाद जब सुरक्षा मानकों और बेसमेंट में जलभराव पर सवाल उठने लगे तब बुधवार को फॉरेंसिक और तकनीकी टीम घटना स्थल पहुंची। एक घंटे तक कई बिंदुओं पर पांच सदस्यीय संयुक्त टीम ने जांच की। अब सिर्फ इंतजार करना होगा...रिपोर्ट की जिसमें हादसे का सटीक कारण हो सकता है। इस मामले में भवन प्रबंधन, बेसमेंट की सुरक्षा व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

इन बिंदुओं पर की जांच

यहां मिट्टी का नमूना लिया। नाले की लंबाई और गहरी की जांची। साथ ही घटना स्थल का नक्शा भी तैयार किया। टीम ने दोनों और की सड़क की लंबाई चौड़ाई की जांच की। साथ ही स्पीड ब्रेकर से नाले की तक की दूरी की लंबाई को देखा। बेसमेंट में पानी के स्तर, निकासी व्यवस्था, बारिश या किसी पाइपलाइन के फटने की आशंका और वाहन फंसने की परिस्थितियों का भी निरीक्षण किया। यह भी देखा कि पानी कितनी तेजी से बेसमेंट में भर रहा और क्या समय रहते बाहर निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता है। चेतावनी संकेत भी खंगाले।

प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि बेसमेंट में जल निकासी की व्यवस्था सही न होने के कारण अचानक पानी भर गया जिससे कार बाहर नहीं निकल सकी। युवराज की कार का भी फॉरेंसिक परीक्षण किया गया।

कबड्डी खिलाड़ियों का किया स्वागत

नोएडा। आंध्र प्रदेश में हुई राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले जिले के तीन खिलाड़ी ग्रेटर नोएडा के चूहड़पुर गांव स्थित जेडी कबड्डी अकादमी पहुंचे। यहां उनका स्वागत किया गया। इन्होंने यूपी टीम की तरफ से प्रतियोगिता में भाग लिया था। जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष और कोच जितेंद्र नागर ने बताया कि आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में 15 से 18 जनवरी तक बालक वर्ग में यह प्रतियोगिता हुई। आयुष कुमार, रचित यादव, परमजीत ने यूपी टीम की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। आयुष नागर ने टीम में कप्तान की भूमिका निभाई।

खसरा रोकथाम में लापरवाही पर डॉक्टर और एएनएम हटाए गए, लोनी में दोबारा शुरू हुआ टीकाकरण अभियान

गाजियाबाद करंट क्राइम। खसरा रोकथाम में लापरवाही सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक डॉक्टर और एएनएम को पद से हटा दिया है। साथ ही उनकी सेवा समाप्ति की संस्तुति भी कर दी गई है। कार्रवाई के बाद लोनी क्षेत्र में खसरा से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को दोबारा शुरू कर दिया गया है।

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें लोनी के राहुल गार्डन, अमित विहार और बेहटा क्षेत्रों में पहुंचीं। इन इलाकों के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्रों पर नौ माह से दस वर्ष तक के बच्चों का ओआरआई (आउटब्रेक रिस्पॉन्स इम्यूनाइजेशन) अभियान के तहत टीकाकरण किया गया। पहले ही दिन 400 से अधिक बच्चों को एमएमआर वैक्सीन की अतिरिक्त डोज दी गई।

सीएमओ के निर्देश पर जिले में सघन निरीक्षण भी किया गया। मंगलवार को 10 से अधिक नोडल अधिकारी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नगरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीएचसी और सीएचसी का आकस्मिक निरीक्षण करने के लिए मैदान में उतरे। डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुराग संजोग ने पीएचसी अटौर नंगला और आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहनपुर का औचक निरीक्षण किया। इसके अलावा लोनी, मुरादनगर, मोदीनगर, भोजपुर और शहरी क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य केंद्रों की जांच की गई। निरीक्षण रिपोर्ट सीएमओ के साथ-साथ जिलाधिकारी को भेजी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने खसरा फैलने के बाद लोनी में घर-घर सर्वे शुरू कर दिया है। इसके साथ ही स्कूलों में विशेष टीकाकरण अभियान की योजना बनाई जा रही है।गौरतलब है कि पिछले वर्ष कुछ स्कूलों ने टीकाकरण का विरोध किया था।

स्वास्थ्य विभाग ने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ऐसे स्कूलों की सूची भेजकर सहयोग का अनुरोध किया है।

कोटेशन फाईल के 1200 और चौब के आधा परसेंट से परेशान है ठेकेदार

वैसे तो सीवर वाले महकमें में केवल जिगर वाले ही ठेकेदारी की फिगर को सैट कर सकते हैं। बजार से कम रेट पर माल चाहिए और फिर वीआईपी से लेकर बाबू तक सभी को हिस्सा भी बटेगा। नए ठेकेदार को टेंशन ही कोटेशन वाली फाईल को हो गई। उसे लग रहा है कि रेट ज्यादा हैं और सीनियर समझा रहे हैं कि भैया तुमसे ना हो पायेगा। दरअसल ठेकेदार नेचर से भीचू है और महकमा पूरी केयर के साथ खीचू हैं। अब ठेकेदार ने अपना दुखड़ा रोया और बताया कि कोटेशन की फाईल के 1200 भला कौन लेता है। सीनियर ने समझाया कि इस 1200 में कम्प्यूटर वालों से लेकर चपरासी भी शामिल हैं। इसके बाद भी नए ठेकेदार की पीड़ा कम नहीं हुई। उसने कहा कि चलो ये बात ठीक है मगर ये कहां की तुक है कि चौब भी आधा परसेंट का रौब ले लेगा। बताओ जी 3 परसेंट तो चीफ के ही जायेंगे। मैं क्या खाऊंगा और क्या कमाऊंगा। सीनियर ठेकेदार ने उसे फिर समझाया और बताया कि यहां का नियम है कि ऐसे कैसे जाने देंगे, हम खुद भी खायेंगे और तुम्हें भी खाने देंगे।

दरोगा जी राम वालों से लेकर लोकसभा वालों को समझ क्या रहे हैं

किस्से का करंट ही ऐसा है कि पॉवर वालों के फ्यूज उड़े पड़े हैं। जिस शहर में 45 गणेश विसर्जन यात्रा एक रूट पर हो जाती हैं। उस शहर में एक दरोगा बता रहा है कि अगर दो राम वाले एक रूट पर आयेंगे तो गड़बड़ हो जायेगी। अब दरोगा जी को कौन बताये कि राम वाले एक ही दल के हैं और अलग अलग राम थोड़ी हैं जो आपस में लड़ पड़ेंगे। राम का काम है और कमाल देखिये कि दरोगा जी बुधवार को सांसद वालों के मैदान पर पहुंच गये। एयरपोर्ट वालों को समझा रहे हैं कि परमीशन में दिक्कत है। लोकसभा के फोर्ट वालों से लेकर एयरपोर्ट वाले भले लोग हैं और ज्यादा रौब नहीं दिखाते हैं। लेकिन कमाल का जिगर दरोगा जी का भी मानों। महाराज की सरकार है, प्रभु श्रीराम का काम है और सांसद खेमे में घुसकर रूल के पहाड़े भी फूल वालों को पढ़ा कर आये हैं।

तकसीम हो गई विकास वालों की परेशानी चार महकमों में

फाइलों के खोने का सिलसिला बहुत दिलचस्प है। कभी निर्माण वालों के यहां फाईल खो जाती है तो कभी थर्ड फ्लोर से फाईल गायब हो जाती है। कभी पंचम तल से फाईल गायब हो जाती है। जिस फाईल को संगठन वाले कहते हैं और साहब परमीशन देते हैं वो फाईल भी गुमशुदा वाली कैटेगरी में आ गई। अवर अभियंता बता देंगे कि सीवर वाले मकहमें में नीति नियंता कौन हैं। फाईल खोने का पेन वो टेंडर मैन बतायेंगे जिन्होंने भरोसे पर काम कर दिया और गारंटी फिर ऐसी जगह घुसी की वापस नहीं मिली। एक एक पेटी वाली फाईलें तो कई बार यहां से लापता हो गईं। बहरहाल आधा करोड़ की फाईल लापता हुई थी और किसी को नहीं पता कि फाईल मिली या नहीं मिली। पड़ोस में ही विकास वाला महकमा है और वहां की फाईल 50 लाख की तो नहीं है लेकिन 50 साल पुरानी है। मेरठ वाले साहब परेशान और गाजियाबाद वाले साहब भी परेशान हैं। सुना है कि अब परेशानी आपस में बांट ली गई है। विकास वाले साहब ने कह दिया कि अकेले हमने थोड़ी ना जमीन ली है। सिद्धार्थ विहार, आवास विकास वालों का है। एसटीपी निगम वालों का है और सड़कें पीडब्लूडी की हैं प्रताप विहार हमारा है। अब इसके बाद भी अगर कहीं जमीन हमारी नजरों से बच गई है तो भैया उसके कागज सारे मिलकर ढूंढो। अकेले हमारा सिरदर्द थोड़ी है।

बारहवीं के छात्र को बर्बरता से पीटा स्कूल से लौटते समय रोककर मारा

पिलखुवा (हापुड़)। छात्र से मारपीट होती देखकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। पुलिस ने छात्र की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूपी के हापुड़ के पिलखुवा नगर क्षेत्र के एक विद्यालय में कक्षा बारह में पढ़ने वाले एक छात्र के साथ रास्ते में घेरकर मारपीट की घटना हुई। मारपीट में छात्र घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित की ओर से कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। सिखेड़ा निवासी पीड़ित छात्र सगीर ने तहरीर में बताया कि वह

मोहल्ला रमपुरा स्थित विद्यालय से लौट रहा था, तभी रास्ते में तीन युवकों ने रोक लिया। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। छात्र के अनुसार हमलावर 10-15 दिनों से एक बात को लेकर लगातार उस पर दबाव बना रहे थे।

सिंगल पोस्टिंग की चर्चा जोरों पर

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कौन शेर और कौन सवा शेर कहना बड़ा ही मुश्किल है। मामला पुलिस कमिश्नरेट में नदिया पार के एक प्रभारी के रूप में थ्री-स्टार का है। दरअसल उनके सिंगल आदेश की चर्चा न सिर्फ पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में हो रही है बल्कि उनसे जुड़े लोगों के बीच भी जमकर हो रही है। बताया जाता है कि जिस थ्री-स्टार को नदिया पार में भेजा गया है, वह भरोसे के टेस्ट में पास वाले जिले में भी पास हुए थे और वर्तमान वाले कमिश्नरेट में भी उनकी प्रशंसा होती रही है। वह अपने काम और व्यवहार की वजह से सूबे के कई आईपीएस अधिकारियों की गुड बुक में भी दर्ज रहे हैं। यही कारण है कि उनको पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में फिर बेहतर काम करने का मौका मिला है। हालांकि उनको जब देहात वाले एक थाने से हटाया गया था, तो मामला बहुत हाईलाइट हुआ था और मामला टाइट भी था। पर कुल मिलाकर जिस तरीके से उन्हें पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में दोबारा से नदिया पार के एक थाने की कमान मिली है और आदेश भी सिंगल पोस्टिंग का आया है, उसके बाद से उनके नाम की चर्चा

कई जगह हो रही है। कहा जा रहा है कि उनकी वर्किंग स्टाइल का ही नतीजा है कि उनको दोबारा से पारी खेलने का मौका मिला है वरना कमिश्नरेट के लिए कहा जाता है कि कई ऐसे प्रभारी और थ्री- स्टार रहे हैं, जिनकी गाड़ी पटरी से उतरी तो वह पैदल हो गए। कई जाने के लिए बेकरार हैं, तो कई जा भी चुके हैं। पर जिस तरीके से उनका सिंगल पोस्टिंग वाला आदेश आया है, उसकी चर्चा हो रही है। हालांकि माना जा रहा था कि 26 जनवरी से पहले कोई लिस्ट का टविस्ट् नहीं आना है लेकिन सिंगल आदेश का आना कई तरीके के सवाल और संदेश भी दे रहा है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में उस थाने पर रहे पूर्व थ्री-स्टार ने बड़े जुगाड़ के बाद चार्ज पाया था, लेकिन वह लंबी पारी खेलने में असफल रहे और मामला फिर पटरी से डिरेल वाला हो गया है। इसके पीछे के कारण अभी बाहर नहीं आ पाए हैं। मामला विभागीय और कुछ समीकरण ठीक न बैठने का भी बताया जा रहा है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कम ही चौकी और थाने के प्रभारी और एसीपी स्तर के अधिकारी होंगे, जिनके सिंगल आदेश पोस्टिंग हुई होगी। साथ ही वह हॉट सीट पर बैठे होंगे।

मेडिकल डिवाइस पार्क में इकाई स्थापित कर सकती है विप्रो जीई

नोएडा। यमुना सिटी के मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश करने के लिए बड़ी कंपनियों ने रुख किया है। हेल्थकेयर में एशिया की बड़ी कंपनी विप्रो जीई अपनी उत्पादन इकाई स्थापित करने की तैयारी में है। बुधवार को कंपनी के अधिकारियों की टीम ने मेडिकल डिवाइस पार्क का दौरा किया। यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि कंपनी के अधिकारी यहां मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से खुश दिखे हैं। ऐसे में संभावना है कि कंपनी जल्द इकाई स्थापित कर सकती है।

बुधवार को विप्रो-जीई कंपनी के अधिकारियों के साथ यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने टीम को पार्क के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क में मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर और नजदीक ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, कार्गो समेत अन्य उद्योगों के आने की संभावना है। ऐसे में यहां लगने वाली इकाइयों को लॉजिस्टिक्स और निर्यात में सुविधा मिलेगी।

भारतीय कंपनी विप्रो और अमेरिका की जीई कंपनी का ज्वाइंट वेंचर 1990 से भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल और भूटान में स्थापित है। कंपनी यमुना सिटी के सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में करीब 12 एकड़ जमीन ले सकती है। यमुना प्राधिकरण सेक्टर-28 में केंद्र सरकार के सहयोग से 350 एकड़ में उत्तर भारत का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रहा है। इस पार्क में अब तक 101 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें से एक कंपनी ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है, जबकि कई अन्य कंपनियां निर्माण कार्य में जुटी हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क में प्रशासनिक भवन, कॉमन फैसिलिटी सेंटर समेत जरूरी आधारभूत ढांचा पहले ही विकसित किया जा चुका है।

देशभर में दौरा कर कंपनियों को कर रहे आकर्षित: यमुना प्राधिकरण इस पार्क में बड़ी एंकर कंपनियां लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने पिछले कुछ समय में देश के कई प्रमुख शहरों में मौजूद बड़ी कंपनियों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। अब इन प्रयासों से मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए बड़ी कंपनियां अपनी इकाइयां लगाने के लिए सामने आ रही हैं।

विप्रो-जीई हेल्थकेयर कंपनी के प्रतिनिधियों ने मेडिकल डिवाइस पार्क का दौरा कर इसका इंफ्रास्ट्रक्चर देखा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने यहां निवेश के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। यदि यह प्रस्ताव अंतिम रूप लेता है, तो मेडिकल डिवाइस पार्क के विकास को नई गति मिलेगी।

सुपर स्ट्राइकर्स ने मावेरिक स्मैशर्स को हराया

नोएडा। क्रिकेट जंक्शन मैदान पर चल रहे क्रिकेट जंक्शन सीजन-17 की लीग मैच में नोएडा सुपर स्ट्राइकर्स ने मावेरिक स्मैशर्स को आठ विकेट से हरा दिया। मावेरिक स्मैशर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी-20 मुकाबले में सात विकेट पर 126 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नोएडा सुपर स्ट्राइकर्स की टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की। विनीत शर्मा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

राइजिंग स्टार स्पोर्ट्स पर चल रहे कॉरपोरेट प्रीमियर लीग सीजन-2 के लीग मैच में क्रिक हीट ने व्हाइट वॉल्कर्स को 14 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी क्रिक हीट ने टी-20 मुकाबले में सात विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया। अमित प्रकाश ने 66 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से हसमुद्दीन सैफी ने तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी व्हाइट वॉल्कर्स की टीम आठ विकेट पर 189 रन ही बना सकी। क्रिक हीट की ओर से पुनीत ने तीन विकेट हासिल किए। अमित प्रकाश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Sanjeev Gupta Fan Club is with **Deepak Bhati** and **Prithvi Singh**.
14h

हमारे पिता तुल्य मार्गदर्शक, हमारे हर सुख दुःख में हमेशा हमारा साथ निभाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री पृथ्वी सिंह कसाना जी को जन्मदिन के शुभ अवसर पर बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। आपका सानिध्य एवं आशिर्वाद हमेशा ऐसे ही बना रहे। 🙏

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समर कूल चेयरमैन संजीव गुप्ता का यही तो एक अंदाज है कि वह अपनों की खुशी में अपनेपन के साथ शामिल होते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना के जन्मदिन की खुशी को उन्होंने अपने शब्दों में ढ़ालकर उसे फेसबुक पर साझा किया। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अमेरिका की किस हरकत पर भड़का ईरान

विदेश मंत्री अराघची बोले- जवाबी कार्रवाई में हिचकिचाएंगे नहीं

तेहरान। हाल के दिनों में दक्षिण चीन सागर से यूएसएस अब्राहम लिंकन मंगलवार तक मलक्का जलडमरूमध्य से गुजर चुका था। ये दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। नाम न बताने की शर्त पर एक अमेरिकी नौसेना अधिकारी ने कहा कि विमानवाहक पोत और उसके साथ मौजूद तीन विध्वंसक पोत पश्चिम की ओर बढ़ रहे थे।

ईरान में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दमन के बाद विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका को सीधी धमकी दे डाली। अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि अगर हम पर फिर से हमला किया गया तो इस्लामी गणराज्य अपने पास मौजूद हर चीज से जवाबी कार्रवाई करेगा।

ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याओं की वजह से अब्बास अराघची का दावोस में विश्व आर्थिक मंच का निमंत्रण हत्याओं के कारण रद्द कर दिया गया था। अराघची की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिकी विमानवाहक पोतों का एक समूह एशिया से पश्चिम की ओर मध्य पूर्व की ओर बढ़ रहा है।

'मुझे जंग से नफरत, लेकिन', बोले ईरानी विदेश मंत्री: उन्होंने कहा, 'यह कोई धमकी नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है जिसे मैं स्पष्ट रूप से व्यक्त करना जरूरी समझता हूं, क्योंकि एक राजनयिक और अनुभवी सैनिक के रूप में मैं जंग से नफरत करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक व्यापक टकराव निश्चित रूप से भयंकर होगा और इस्राइल और उसके समर्थकों की ओर से व्हाइट हाउस को बताई जा रही काल्पनिक समयसीमाओं से कहीं अधिक समय तक चलेगा।'

अमेरिकी ठिकानों पर बना सकता है निशाना

रिपोर्ट के मुताबिक कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती के बाद अब लड़ाकू विमान और अन्य उपकरण मध्य पूर्व में स्थानांतरित होते दिख रहे हैं। अराघची ने वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में यह धमकी दी। विदेश मंत्री ने अपने लेख में कहा, 'जून 2025 में ईरान की ओर से दिखाए गए संयम के विपरीत अगर हम पर दोबारा हमला होता है तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं जवाबी कार्रवाई करने में जरा भी संकोच नहीं करेंगी।' उन्होंने जून में इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ छेड़े गए 12 दिवसीय युद्ध का जिक्र किया।

अमेरिकी ठिकानों पर बना सकता है निशाना

अराघची ने कहा, 'यह निश्चित रूप से व्यापक क्षेत्र को अपनी चपेट में लेगा और दुनिया भर के आम लोगों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।' अराघची की टिप्पणियां संभवत: ईरान की कम और लंबी दूरी की मिसाइलों से जुड़ी हैं। इस्लामिक गणराज्य ने युद्ध में इस्राइल को निशाना बनाने के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। कम दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल ईरान की ओर से अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है।

विश्वसनीय देश के साथ संबंध मजबूत करना अहम : विदेश मंत्री अल्बारेस

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने कहा कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन जल्द भारत आएंगे। उन्हें उम्मीद है कि नरेंद्र मोदी भी स्पेन की यात्रा करेंगे। उन्होंने हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने, भारत-स्पेन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने और यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौते को अहम बताया।

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को कहा कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन जल्द ही भारत की यात्रा पर जाने वाले हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्पेन की यात्रा कर सकेंगे।

आज राजधानी में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी बैठक के दौरान अपने संबोधन में अल्बारेस ने कहा उन्होंने कहा ₹राष्ट्रपति सांचेज जल्द ही आधिकारिक दौरे पर भारत आ रहे हैं। वहीं, मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी भी स्पेन का दौरा कर सकेंगे। हम यूरोपीय संघ के माध्यम से और साथ ही बहुपक्षीय स्तर पर द्विपक्षीय रूप से काम करना जारी रखेंगे। हमें हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने में बहुत खुशी होगी और इसी अवसर को चिह्नित करने के लिए मैंने आपको यह पत्र भेजा है। उन्होंने कहा, हम अपने संबंधों को एक रणनीतिक सहयोग के स्तर तक उन्नत करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त करेंगे, जो कि भारत की तरह मित्रों के साथ हमारे संबंधों का उच्चतम स्तर है। अलबारेस ने बार्सिलोना में हाल ही में हुए ट्रेन हादसे के पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए जयशंकर को धन्यवाद भी दिया, जिसमें 40 से अधिक लोग मारे गए थे।

स्विट्जरलैंड के दावोस पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में लेंगे हिस्सा

बर्न। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्विट्जरलैंड पहुंचकर दावोस में विश्व नेताओं से मुलाकात करेंगे। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने चागोस द्वीप समझौते को लेकर ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे से जुड़ा फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और इस पर कोई समझौता नहीं होगा।

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के अहम मंच पर एक बार फिर अमेरिका की आक्रमक रवैया सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। यहां वह विश्व नेताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों से मुलाकात करेंगे। इसी बीच अमेरिका ने चागोस द्वीप समझौते को लेकर ब्रिटेन पर तीखा हमला बोला है और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता न करने का संदेश दिया है।

दावोस पहुंचते ही कूटनीतिक हलचल क्यों बढ़ी?

अमेरिकी राष्ट्रपति का विमान एयर फोर्स वन ज्यूरिख में उतरा। इसके बाद वह दावोस रवाना हुए, जहां उनका कार्यक्रम पहले कारोबार जगत के नेताओं से मुलाकात और फिर वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भाषण देने का है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब यूक्रेन युद्ध, वैश्विक मंदी और सुरक्षा मुद्दों पर दुनिया की निगाहें अमेरिका की भूमिका पर टिकी हैं।

ब्रिटेन पर अमेरिका की नाराजगी क्या है?

इससे पहले अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने का ब्रिटेन का फैसला अमेरिका को निराश कर रहा है। उनका कहना है कि गार्सिया में मौजूद संयुक्त अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य अड्डा दोनों देशों की साझा सुरक्षा का अहम आधार रहा है। अमेरिका का मानना है कि इस फैसले से रणनीतिक हित कमजोर हो सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर ट्रंप प्रशासन का रुख

ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपनी राष्ट्रीय या क्षेत्रीय सुरक्षा किसी अन्य देश के भरोसे नहीं छोड़ेगा। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे पर बिल्कुल स्पष्ट और सख्त हैं। डिएगो गार्सिया का सैन्य अड्डा दशकों से अमेरिका और ब्रिटेन की साझा सुरक्षा का अहम आधार रहा है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस सैन्य अड्डे को किसी तीसरे पक्ष को सौंपना एक गंभीर रणनीतिक चूक होगी। अमेरिका ने संकेत दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ब्रिटेन का पक्ष और समझौते की शर्तें क्या हैं?

ब्रिटेन सरकार का कहना है कि अदालतों के कुछ फैसलों से चागोस द्वीप पर उसका दावा कमजोर पड़ रहा था। इसी वजह से मॉरीशस के साथ समझौता कर सैन्य अड्डे की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। समझौते के तहत ब्रिटेन 99 वर्षों के लिए डिएगो गार्सिया के सैन्य अड्डे को लीज पर रखेगा, जिसे आगे 40 साल तक बढ़ाने का विकल्प भी होगा। लंदन का दावा है कि इससे संयुक्त अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य ठिकाने का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

दक्षिण कोरिया के पूर्व पीएम को 23 साल की सजा अदालत ने मार्शल लॉ लगाने को करार दिया विद्रोह

दक्षिण कोरिया। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की ओर से देश में मार्शल लॉ लगाने को संविधान के खिलाफ विद्रोह करार दिया। इसी के साथ अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति के करीबी सहयोगी और पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू को 23 साल की सजा सुनाई। यह फैसला यून प्रशासन से जुड़े विद्रोह के मामलों में पहला बड़ा दोषसिद्धि फैसला माना जा रहा है।

सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने बुधवार को दिए गए फैसले में कहा कि यून सुक-योल का मार्शल लॉ आदेश एक तरह का 'खुद का तख्तापलट' था, जिसका मकसद संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना था। अदालत ने संसद और चुनाव कार्यालयों में सेना व पुलिस की तैनाती को गंभीर अस्थिरता फैलाने वाला कदम बताया।

दक्षिण कोरिया में 2024 में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लागू किया था। पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ विद्रोह सहित कई मामलों में सुनवाई जारी है। इस वक्त वे जेल में बंद हैं। अदालत की ओर से पूर्व पीएम हान को 23 साल की सजा को इन मामलों में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

हान डक-सू को क्यों मिली सजा?

अदालत के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री हान डक-सू ने मंत्री परिषद की बैठक के जरिए मार्शल लॉ आदेश को प्रक्रियात्मक वैधता देने की कोशिश की और इस तरह विद्रोह में अहम भूमिका निभाई।

उन्हें मार्शल लॉ घोषणा में हेरफेर, दस्तावेज नष्ट करने और शपथ के तहत झूठ बोलने का भी दोषी ठहराया गया।

अदालत के फैसले में कहा गया कि हान ने संविधान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य की अनदेखी की और यह मानते हुए विद्रोह का हिस्सा बने कि यह सफल हो सकता है। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्यों से देश एक बार फिर उस दौर में लौट सकता था, जहां नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचला जाता है।

पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की बढ़ी मुश्किलें

सजा सुनाए जाने के बाद हान डक-सू को तुरंत जेल भेज दिया गया। इससे पहले वे हिरासत में नहीं थे। गौरतलब है कि स्वतंत्र अभियोजक ने उनके लिए 15 साल की सजा मांगी थी, ऐसे में 23 साल की सजा को अप्रत्याशित माना जा रहा है। हान इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। यह फैसला राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ चल रहे मामलों के लिए भी अहम माना जा रहा है।

यून पर विद्रोह का मास्टरमाइंड होने का आरोप है और उनके खिलाफ स्वतंत्र अभियोजक मृत्युदंड तक की मांग कर चुके हैं। उनके विद्रोह मामले पर 19 फरवरी को फैसला आने की संभावना है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर जल्द गूंजेगी किलकारी

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन उपराष्ट्रपति के बढ़ते परिवार की खबर ऐसे समय में आई है जब उन्होंने वर्षों से अमेरिकियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए जोरदार वकालत की है। वेंस ने 2021 में ओहियो से अमेरिकी सीनेट के लिए चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत करते हुए घटती जन्म दर पर बार-बार चिंता व्यक्त की थी। 2025 में 'मार्च फॉर लाइफ' के एक भाषण में कहा था, 'मैं अमेरिका में और अधिक बच्चे चाहता हूं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के परिवार को एक बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है।

दरअसल, जेडी वेंस और अमेरिका की सेकंड महिला उषा वेंस अपने चौथे बच्चे के जन्म की उम्मीद कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के हवाले से कहा गया है कि बच्चे का जन्म जुलाई के आखिर तक हो सकता है।

'अगले पांच साल भी तेज रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था'

दावोस में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत अगले पांच साल तक छह से आठ प्रतिशत की तेज रफ्तार से बढ़ता रहेगा। टेलीकॉम सुधार, आसान अनुमतियां और निवेश के अनुकूल माहौल को उन्होंने ग्रोथ का आधार बताया। आइए जानते हैं वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में मंत्री वैष्णव ने क्या कुछ कहा है।

बर्न। दावोस से भारत की आर्थिक तस्वीर साफ होती दिख रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत अगले पांच वर्षों में वास्तविक (रियल टर्म्स) में छह से आठ प्रतिशत और नाममात्र (नॉमिनल) आधार पर 10 से 13 प्रतिशत की दर से बढ़ता रहेगा। उन्होंने यह भरोसा मध्यम महंगाई, मजबूत घरेलू मांग और संरचनात्मक सुधारों के आधार पर जताया। यह बयान वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक के दौरान दावोस में दिया गया।

दावोस में क्या बोले वैष्णव?

बेट ऑन इंडिया-बैंक ऑन द फ्यूचर सत्र में बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि भारत की ग्रोथ का इंजन केवल सरकारी खर्च नहीं, बल्कि निजी निवेश, टेक्नोलॉजी और नीतिगत सुधार हैं। यह सत्र भारतीय उद्योग परिसंघ और ईवाई के सहयोग से आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि अनुमतियों के सरलीकरण से निवेश का रास्ता आसान हुआ है और यही तेज विकास का आधार बनेगा।

टेलीकॉम और प्रशासनिक सुधार कैसे बने बढ़त का आधार?

वैष्णव ने उदाहरण देते हुए कहा कि टेलीकॉम टावर लगाने का औसत समय 270 दिन से घटकर सिर्फ सात दिन रह गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 89 प्रतिशत अनुमतियां अब जीरो टाइम में मिल रही हैं। उनका जोर इस बात पर रहा कि नीति का इरादा और जमीनी अमल, दोनों के बीच की दूरी कम करनी होगी, ताकि नौकरशाही राजनीतिक इच्छाशक्ति के अनुरूप काम करे।

उद्योग और डेटा नीति पर क्या अहम बातें रहीं?

उद्योग जगत के बीच चुनौतियों पर खुला संवाद जरूरी बताया गया।

डेटा लोकलाइजेशन नियमों के मानकीकरण पर अमेरिका और यूरोप के साथ तालमेल की बात कही गई।

निवेश के लिए स्पष्ट और एकरूप नियमों को समय की मांग बताया गया।

टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को ग्रोथ का प्रमुख चालक माना गया।

2047 तक आय पांच गुना करने का लक्ष्य क्यों अहम?

सीआईआई अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी कम है और 2047 तक इसे कम से कम पांच गुना करना होगा। इसके लिए व्यापार संबंधों का विविधीकरण जरूरी है। उन्होंने मिडिल ईस्ट, एशिया पैसिफिक और यूनाइटेड किंगडम के साथ समझौतों को भविष्य की जरूरत बताया।

सैन्य सुरक्षा बनाम टेक्नोलॉजी, पोलैंड क्यों चीनी वाहनों पर प्रतिबंध लगाने पर कर रहा है विचार

नई दिल्ली। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, पोलिश अधिकारी संभावित सुरक्षा जोखिमों के कारण चीनी गाड़ियों को मिलिट्री परिसरों में घुसने से रोकने पर विचार कर रहे हैं।

पोलैंड में सैन्य ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी के चलते वहां की सरकार चीन निर्मित वाहनों को सैन्य परिसरों में प्रवेश से रोकने पर विचार कर रही है। रक्षा अधिकारियों का मानना है कि आधुनिक वाहनों में मौजूद तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

तकनीक और डेटा को लेकर सबसे बड़ी चिंता

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पोलिश सेना के जनरल स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल मारेक पिएत्रजाक के मुताबिक, यह कदम उन जोखिमों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है जो वाहन में लगे आधुनिक सेंसर, तकनीकी सिस्टम और डेटा ट्रांसमिशन से जुड़े हैं।

उनका कहना है कि ऐसे वाहनों के जरिए कई जानकारियां, बिना जानकारी या नियंत्रण के बाहर भेजी जा सकती है। जो सैन्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। सेना के प्रवक्ता ने संकेत दिया है कि इस मुद्दे पर आने वाले दिनों में कोई ठोस समाधान सामने रखा जाएगा। यानी प्रतिबंध से जुड़ा फैसला जल्द लिया जा सकता है।

क्या अमेरिकी कंपनी टेस्ला भी दायरे में?

पोलैंड के मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्तावित नियम सिर्फ चीन में बने वाहनों तक सीमित नहीं हो सकते। इन उपायों के तहत अमेरिकी कंपनी ळी२" (टेस्ला) की गाड़ियों को भी सैन्य ठिकानों में प्रवेश से रोका जा सकता है। क्योंकि उनमें भी एडवांस्ड सेंसर और डेटा सिस्टम मौजूद होते हैं। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने साफ किया है कि संरक्षित सैन्य ठिकानों और सुविधाओं में चीन निर्मित वाहनों की पहुंच सीमित करने पर काम चल रहा है। इसके साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि ऐसे वाहनों में लगे सिस्टम का कनेक्शन सर्विस फोन और अन्य डेटा कैरियर्स से किस तरह जुड़ता है।

500 ट्रिलियन डॉलर का खजाना या विनाश, प्रोजेक्ट आइसवर्म और दबा हुआ 'परमाणु पाप'

नई दिल्ली। बात उस जमीन की, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप कहा जाता है, लेकिन हकीकत में यह आज की वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा और खतरनाक शतरंज की बिसात बन चुका है। ऊपर से शांत दिखने वाली बर्फ की चादर के नीचे क्या कोई ऐसा राज दफन हो सकता है जो पूरी दुनिया को तबाह कर दे?

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को खरीदने की जिद महज एक रियल एस्टेट बिजनेसमैन की सनक है या इसके पीछे 500 ट्रिलियन डॉलर के खजाने की कोई सोची-समझी साजिश? इतिहास के पन्नों को पलटें तो 1960 के दशक में अमेरिका ने यहां प्रोजेक्ट आइसवर्म नाम का एक बेहद गुप्त और डरावना मिशन शुरू किया था। इसका मकसद बर्फ की चादर के नीचे 4000 किलोमीटर लंबी सुरंगें बनाना और वहां 600 परमाणु मिसाइलें तैनात करना था। अमेरिका चाहता था कि सोवियत संघ की सीमा के इतने करीब से वार किया जा सके कि उन्हें संभलने का मौका न मिले।

...लेकिन कुदरत ने इस एटॉमिक प्लान को फेल कर दिया। ग्लेशियर इतनी तेजी से खिसके कि प्रोजेक्ट बंद करना पड़ा और अमेरिका वहां से भाग निकला, लेकिन डरावनी बात यह है कि वह परमाणु कचरा और रेडियोएक्टिव जहर आज भी वहीं दबा है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग बर्फ पिघला रही है, तो वह जहर समुद्र में मिलने को तैयार है। सवाल यह है कि क्या ट्रंप इस ऐतिहासिक पाप के सबूतों को दफन करने के लिए ग्रीनलैंड चाहते हैं या फिर भविष्य के युद्ध की तैयारी कर रहे हैं?

500 ट्रिलियन डॉलर का खजाना और चीन का डर

आज ग्रीनलैंड का नाम सिर्फ बर्फ के लिए नहीं, बल्कि 'सफेद सोने' के लिए लिया जा रहा है। सफेद सोना यानी रेयर अर्थ मिनिरल्स का वह असीमित भंडार, जिसके बिना दुनिया की मॉडर्न इकोनॉमी एक दिन भी नहीं चल सकती। आपके हाथ में मौजूद स्मार्टफोन से लेकर सबसे एडवांस फाइटर जेट ऋ35 तक, सब इन्हीं खनिजों पर टिके हैं।

फिलहाल इस बाजार पर चीन का कब्जा है और चीन इस इलाके में अपनी पोलर सिल्क रोड बिछाने की कोशिश में है। यही वह बिंदु है, जहां से एक 'संसाधन युद्ध' की शुरूआत होती है। चीन ने साफ चेतावनी दी है कि अमेरिका ग्रीनलैंड में दखल देने के लिए उसके नाम का इस्तेमाल बंद करे, लेकिन जो मान जाए वह ट्रंप क्यों कहलाए। अमेरिकी प्रशासन जानता है कि अगर उसे भविष्य की तकनीक पर राज करना है, तो उसे ग्रीनलैंड की खदानों पर नियंत्रण चाहिए होगा।

किसी भी मयार्दा को न मानने वाले ट्रंप ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास को जो चिट्ठी लिखी, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक 'एटम बम' की तरह धमाका किया है। ट्रंप लिखते हैं कि ₹प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ युद्धों को रोकने के लिए मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का फैसला किया है, मुझे अब सिर्फ शांति के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। अब मैं यह सोच सकता हूँ कि यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के लिए क्या अच्छा है।₹ ट्रंप ने डेनमार्क के मालिकाना हक को चुनौती देते हुए कहा कि वहां उनकी भी नावें उतरती रही हैं, तो मालिकाना हक उनका क्यों नहीं? मतलब...समरथ को नहीं दोष गोसाईं वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए ट्रंप अपनी मर्जी के खिलाफ जाने वालों के लिए जरा भी मुरव्वत या अंतरराष्ट्रीय राजनयिक मयार्दाओं का पालने करने को तैयार नहीं हैं।

स्थानीय आक्रोश: हम बिकाऊ नहीं हैं

ग्रीनलैंड के स्वाभिमानी लोगों ने साफ कर दिया है कि वे न तो बिकेंगे और न ही झुकेंगे। ग्रीनलैंड की वरिष्ठ राजनेता टिली मार्टिनुसेन ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, ₹हम अमेरिकियों की तरह सिर्फ अमीर नहीं बनना चाहते। हम देख रहे हैं कि वे कितने लालची हैं, जो अपने दोस्तों पर भी हमला करने की कोशिश कर रहे हैं। मार्टिनुसेन ने अलास्का का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी कि अमेरिका वहां के मूल निवासियों की जमीन छीन चुका है। उन्होंने ट्रम्प के आस-पास मौजूद 'व्हाइट पावर' विचारधारा वाले लोगों पर सवाल उठाए और कहा कि हम अश्वेत इनुइट लोग हैं, और हमें डर है कि अमेरिका हमारे अधिकार छीन लेगा।

ट्रंप की आक्रामकता और 'चिट्ठी' का बवाल

अब बात करते हैं उस सबसे बड़े राजनीतिक भूचाल की जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप अब ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी कूटनीतिक मयार्दा को मानने के मूड में नहीं हैं। वे 'साम-दाम-दंड-भेद' की नीति पर उतर आए हैं। अमेरिकी प्रशासन अब ग्रीनलैंड के आम नागरिकों को सीधे तौर पर लुभाने की कोशिश कर रहा है। खबर है कि हर ग्रीनलैंडवासी को 10 हजार से लेकर 1 लाख डॉलर तक देने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। यानी सीधे तौर पर पैसे के दम पर एक पूरे द्वीप के लोगों को खरीदने की कोशिश।

फेंटानिल से मौतों पर बौखलाया अमेरिका मैक्सिको से चल रहा चीनी नशे का धंधा

नई दिल्ली। फेंटानिल एक सिंथेटिक ड्रग है, जो आमतौर पर पेन किलर के तौर पर इस्तेमाल होती है, लेकिन इसे नशे के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अमेरिका में फेंटानिल ड्रग के ओवरडोज से हर साल हजारों लोगों की मौत होती है।

नशा तस्करी के लिए वेनेजुएला पर किए गए हमले के बाद अब अमेरिका ने मैक्सिको को अपने निशाने पर लिया है। दरअसल, अमेरिका में नशे की सबसे बड़ी सप्लाई मैक्सिको से होने का दावा किया जाता है। जो नशा मैक्सिको से अमेरिका पहुंचता है, उसकी पूरी आपूर्ति चीन से होती है। इसे अमेरिकी बाजार में और मैक्सिको के नशे के कारोबार में 'चाइना गर्ल' के नाम से जाना जाता है। इसी चाइना गर्ल की ओवरडोज से अमेरिका में मौतों का सिलसिला बढ़ गया है।

सिर्फ 2023 में ही इस नशे से 75 हजार से ज्यादा अमेरिकी युवाओं की मौत हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्सिको में मादक पदार्थों और फेंटानिल (चाइना गर्ल) के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों में अमेरिकी सेना को शामिल किए जाने की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका मैक्सिको पर हमला करता है, तो इसका सीधा असर चीन पर पड़ना तय है। चीनी संसद की अपनी खुद की पेश की गई रिपोर्ट बताती है कि 600 अरब डॉलर का चीन से किया गया कारोबार संदिग्ध है। इसमें अवैध नशे की आपूर्ति का प्रतिशत सबसे ज्यादा है।

चीन की ओर से पूरी दुनिया में सुनियोजित तरीके से फैलाए जाने वाले अवैध नशे के नेटवर्क की पूरी रिपोर्ट अमेरिका की प्रतिनिधि सभा समिति ने तैयार की है। विदेशी मामलों के जानकार और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर अभिषेक सिंह बताते हैं कि दक्षिणी अमेरिका के हिस्सों में जिस तरीके से अमेरिका ने कार्रवाई की है, उसके पीछे कई बड़े कारणों में से एक चीन की ड्रग पैडलिंग पॉलिसी भी है।

वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना के जन्मदिन पर हुआ कवि सम्मेलन-मुशायरे का आयोजन

गाजियाबाद(करंट क्राइम)। समाधान शक्ति , सामाजिक संस्था तथा साहित्य प्रोत्साहन समिति के तत्वाधान में बुधवार को कविसम्मेलन तथा मुशायरे का आयोजन किया गया। यह कविसम्मेलन शिक्षाविद, साहित्यप्रेमी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित हुआ। हिन्दी भवन में आयोजित इस कविसम्मेलन में मंच संचालन जाने-माने कवि तथा वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक ने किया। कवि सम्मेलन तथा मुशायरे में विजेन्द्र सिंह परवान, राजेश रेड्डी, अजहर इकबाल, अंकिता सिंह, आदिल रशीद, राहुल शर्मा, राज कौशिक तथा डा. ज्योति उपाध्याय ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पृथ्वी सिंह कसाना के जन्मदिन पर आयोजित कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने पृथ्वी सिंह कसाना को जन्मदिन की बधाई तथा शुभकामनायें भी दीं।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं भले ही त्यागी हूं मगर खोल रहा हूं अपने दिल की बात? संगठन में क्यों आने का कर रहे हैं दो त्यागी चेहरे फिर से प्रयास? क्या वो टीम में रहकर रचना चाहते हैं कोई इतिहास? अरे भैया अब तो करना चाहिए इन दोनों को कोई बड़ा प्रयास? अब तो युवा चेहरों को दें मौका? आने दें उनके हिस्से में भी इन जिम्मेदारियों का झोंका?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि दिल्ली से लेकर आया है भगवा कार्यकर्ता एक पैगाम? उसने कहा है मुझे जो वहां से मिली है जानकारी उसके अनुसार अब किसी भी जेब के चेहरे के सिर पर नहीं बंधेगा सेहरा? उसने कहा राष्ट्र वाले प्रेसीडेंट ने दिया है मीटिंग में ये ही संदेश? जिम्मेदारी उसी को मिलेगी जिसका होगा सक्रिय फेस? अब नहीं रहेंगे पहले जैसे हालात? यहां पर होगी अब मैरिट पर बात? गुटबाजी का नहीं होने दिया जायेगा किसी भी कार्यकर्ता को शिकार? कहने वाले ने कहा बहुत ही ओजस्वी थे जब प्रकट हो रहे थे ये विचार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा यूथ वाला आजकल जो बना हुआ है सारथी? सच बता रहा हूं उसकी जरूर उतरेगी टीम में आरती? देने वालें देंगे इनको कोई बड़ी जिम्मेदारी? हमें पता है इस चेहरे ने अभी तक अपनी गाड़ी सड़क से नहीं है उतारी? वैसे भी देने वालों का दिल दरिया है और मन है समुंदर? वो जरूर कर लेंगे इस ऐवरेज देने वाले चेहरे को अपनी टीम के अंदर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आप येढ़ा बनकर पेढ़ा खाने वाले ड़ेढा भैया की लिख रहे हो मजबूत बात? ये मरघट वाले बाबा जी का बता रहे हो आप उन पर आशीर्वाद? यहां पर आप कर लो मोर्चे वाले जाट चेहरे संदीप भैया की भी चर्चा? उनका भी द यूनियन वालों के आशीर्वाद से है मजबूत पर्चा? अगर ड़ेढा जी डाल-डाल है तो चौधरी हैं पात-पात? अगर उनको जिम्मेदारी मिलेगी तो इनके भी जरूर आयेगा कुछ हाथ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि देने वाले ने दी है जानकारी? काजल दीदी नहीं संभालना चाहती हैं महानगर वाली टीम में जिम्मेदारी? ये सक्रिय चेहरा कर रहा है वेस्ट से लेकर प्रदेश वाली टीम में आने का प्रयास? इसलिए महानगर के सपने देखने वाले इस चेहरे को देखकर परेशान ना हों खास? कहने वाले ने कहा जरूर इस चेहरे को कोई जिम्मेदारी दिलायेगा कोई रिपोर्ट कार्ड?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि लाईन पार की मैडम सिंह हकीकत में है सक्रियता की मिसाल? मगर हमें मिली है अंदर से जानकारी? रखने वाला नहीं रखेगा इस चेहरे का ख्याल? इस चेहरे के सामने किया जा रहा है इन महिला की बिरादरी वाली दूसरी सिंहनी को तैयार? ना जाने क्यों किसी के दिल में मैडम सिंह को नहीं आ रहा कुछ भी देने का विचार? कहने वाले ने कहा मैं आपको हकीकत में बता रहा हूं ये बात? ताकि मैडम सिंह अपने बढ़ा दें प्रयास?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जन्मदिन के सीन में नहीं दिखाई दिये वो लोग जो थे कभी प्रमोशन वाले सीन में? सुना है जिन्होंने चुनाव लड़ने के लिए दिया था अपना मकान? अब वो भी कर गये हैं मौहल्ले से पड़ोस वाले जिले में प्रस्थान? कहानी का है एक ऐसा रोचक ट्विस्ट? कल तक जो बने थे भाई? अब उन्होंने ही पूरी सुंदरता से है विरोधी वाली भूमिका निभाई?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पाठक जी का सफल कार्यक्रम कराकर नदिया पार के सरदार ने दे दिया अपना संदेश असरदार? हमने सोचा था कि महानमंत्री वाले पद पर कोई करेगा उनके नाम पर विचार? मगर हम देख रहे हैं तीखी मूंछों वाले शिशौदिया जी का इस मैटर में दिखाई दे रहा है बहुत ज्यादा प्रताप? उन्होंने एक आयोजन के हजारों इन्वीटेंशन दिये हैं बांट? कहने वाले ने कहा हमें तो यही मिला है संदेश? मजबूत हैं सरदार से ज्यादा शिशौदिया का केस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि युवा मोर्चा वाली चल रही है यहां पर पेरलल रेस? यहां पर सीरियस गिना जा रहा है राम का नाम लेने वाले और क्रान्ति के प्रतीक युवा त्यागी का फेस? कहने वाले ने कहा बस यहां पर क्रान्तिकारी का तभी हो सकता है समाधान? जब उनके प्रिय विधायक जी मजबूत से रख दें योद्धा के सामने उनका नाम? चुप ना रहें, ना करायें दुआ वाला एहसास? कह दिया तो हुआ समझो वाली चाहिए उनके प्रिय क्रान्तिकारी को बात?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पूरे गौरव से किसी की हसरतों ने इस वक्त है आसमान को छुआ? सिस्टम में उनका मामला बताया जा रहा है जैसे हो गया है या हुआ? मगर उनको रखना होगा यहां पर बारीक किसी बड़े द यूनियन वाले की सिफारिश पर ध्यान? अगर उन्होंने चैन से मांग ली किसी के लिए दुआ? तो फिर देने वाले भी इंकार नहीं कर पायेंगे श्रीमान? इसलिए आज से उनको दुआ देने पर देना हो ज्यादा ध्यान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

प्रदूषण से राहत नहीं, देश में तीसरे नंबर पर गाजियाबाद

साहिबाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद शहर के लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, बुधवार को गाजियाबाद देश में तीसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां का एक्यूआई 347 दर्ज किया गया। पहले नंबर पर गुरुग्राम और दूसरे पर संयुक्त रूप से धारूहेड़ा व कल्याण शहर रहा।

पांच दिन से जिले की हवा बेहद खराब बनी हुई है। चार दिन देश में पहला व एक दिन दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा है। हवा की गति बढ़ने पर ही थोड़ी गिरावट देखने को मिलती है। प्रदूषण रोकथाम के लिए अधिकारियों के दावों में कोई कमी नहीं है। वह हर स्तर पर कार्रवाई के दावे करते हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु बैठक आयोजित

पूर्व सैनिकों व वीर नारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

गाजियाबाद(करंट क्राइम)। जनपद गाजियाबाद के भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के कल्याण से संबंधित मुद्दों को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बंधु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने की।

बैठक की शुरूआत में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आईएन) राम प्रवेश सिंह ने उपस्थित एडम कमांडेंट स्टेशन हेडक्वार्टर बाबूगढ़ छावनी, हापुड़ सहित सभी विभागीय अधिकारियों, पदाधिकारियों, वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों का आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत उन्होंने पिछली जिला सैनिक बंधु बैठक (18 नवंबर 2025) के बाद कार्यालय द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों की जानकारी दी।

जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए पूर्व बैठकों में प्राप्त चार लंबित आवेदन पत्रों पर क्रमवार चर्चा की गई। पूर्व ऑनरेरी लेफ्टिनेंट सुदेशपाल के प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक ने जानकारी दी कि बैंक द्वारा मामला एनसीएलटी में दाखिल कर दिया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने बैंक के जोनल हेड को बुलाकर एडीएम सिटी एवं एलडीएम की उपस्थिति में समस्या के समाधान के निर्देश दिए।

पूर्व सैनिक एक्स-सार्जेंट प्रवीन कुमार के खसरा संख्या 560 एवं 502 पर भूमाफियों द्वारा किए गए अवैध कब्जे के संबंध में नायब तहसीलदार सदर को सीमेंट स्लैब हटवाने के निर्देश दिए गए। वहीं, श्रीमती अंजू रानी, पत्नी स्वर्गीय सैनिक सूबेदार मेजर ब्रजमोहन उजालियन, को अवगत कराया गया कि भूमि की पैमाइश तीन दिन के भीतर कराई जाएगी। पूर्व सैनिक बी.सी. बंसल के प्रकरण को संस्तुति के आधार पर निस्तारित किया गया।

इसके पश्चात बैठक में नई समस्याओं से जुड़े सात आवेदन पत्रों पर चर्चा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से गन लाइसेंस स्थानांतरण एवं पंजीकरण से संबंधित मामले शामिल रहे। सभी आवेदनों को एक-एक कर सुना गया तथा उनके शीघ्र निस्तारण हेतु एडीएम सिटी गाजियाबाद को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (आईएन) राम प्रवेश सिंह ने बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, पदाधिकारियों एवं लगभग 50 पूर्व सैनिकों व आश्रितों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आग्रह किया कि अधिक से अधिक पूर्व सैनिक बैठकों में भाग लें और अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन बैठक से कम से कम दो दिन पूर्व जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में प्रस्तुत करें, जिससे समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में एडम कमांडेंट स्टेशन हेडक्वार्टर बाबूगढ़, मुख्य कोषाधिकारी, नगर आयुक्त नगर निगम, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रतिनिधि सहित जिला सैनिक बंधु के सदस्य उपस्थित रहे।

साथ ही जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के पवन कुमार (वरिष्ठ सहायक), विनोद कुमार, कविता देवी, रीतू सिंह, निपुण पायला (कनिष्ठ सहायक) तथा अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चिरंजीव विहार में जलभराव की समस्या खत्म
महापौर की अध्यक्षता में 6 करोड़ का बजट पास

- स्थानीय जनता ने व्यक्त किया आभार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। चिरंजीव विहार में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में हुए 15वें वित्त एवं अवस्थापना समिति की बैठक में चिरंजीव विहार सेक्टर-1, सेक्टर-2 व अवंतिका तक जाने वाले नाले के निर्माण हेतु 6 करोड़ रुपये का बजट पास किया गया। प्रस्ताव पारित होने के बाद स्थानीय सभासदों व वरिष्ठ नागरिकों ने महापौर का आभार जताया। बता दें कि बरसात के दौरान नाले के ओवरफ्लो होने से कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बन जाती थी, जिसके कारण पानी की निकासी पूरे-पूरे दिन रुक जाती थी और लोगों को भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता था। पहले सामुदायिक भवन के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान जनता ने इस समस्या को महापौर के समक्ष उठाया था, जिसके बाद इसे गंभीरता से लेते हुए बजट पास कराया गया।

इस अवसर पर महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि जनता का कार्य करना हम सभी भाजपाइयों का कर्तव्य है। यह नाला निर्माण कार्य वास्तव में आपके विधायक अजीत त्यागी जी करा रहे हैं।

आने वाले चुनाव में विधायक को पूर्ण बहुमत से जिताना ही मेरे लिए जनता का धन्यवाद होगा। महापौर ने आगे कहा कि इन सभी विकास कार्यों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। वहीं स्थानीय पार्षद मनोज त्यागी ने कहा कि 6 करोड़ रुपये के इस नाले के बन जाने से कॉलोनी की जलभराव की समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान रामचंद्र सिंह, अजय गोयल, संदीप त्यागी, राजकुमार शर्मा, महेंद्र गुप्ता, आर.डी. शर्मा, सुनील कंसल, मनोज मिश्रा, सुनील त्यागी, एस.के. उप्पल, दिलीप मिश्रा, योगेश वर्मा, अमृता, एस.के. गुप्ता, हरिहर शुक्ला, एस.के. सूद, पवन त्यागी, आशीष चौधरी, चंद यादव सहित क्षेत्र के वरिष्ठजन व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दूसरे के प्लॉट का बैनामा कराकर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी

गाजियाबाद करंट क्राइम। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी कर 15 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि अकबरपुर बहरामपुर में रहने वाली संतोष देवी के मुताबिक उनके पति विकास के दोस्त अनिल ने उन्हें अजंता कॉलोनी लोनी में एक प्लॉट खरीदने के लिए दिखाया। बैनामा कराने में प्लॉट मालिक पुष्पा निवासी शांति मार्ग फाजलपुर शकरपुर दिल्ली, सतवीर सिंह, महेंद्र सिंह, राजीव कुमार और फुरकान आदि शामिल रहे। आरोपियों को 15 लाख रुपये देकर प्लॉट का बैनामा संतोष देवी ने अपने नाम कर लिया। आरोप है कि गत दिनों वह अपना प्लॉट देखने के लिए गई तो उस पर निर्माण कार्य जारी था।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।